राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 207 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शुक्रवार 23 मई 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार: यूपी एटीएस ने की कार्रवाई, सुरक्षा सूचना लीक करने का आरोप

दिल्ली। दिल्ली के सीलमपुर निवासी मोहम्मद हारून को उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने गिरफ्तार किया है। मोहम्मद हारून दिल्ली में स्क्रैप का काम करता है। साथ ही उस पर पाकिस्तान उच्चायोग में नियुक्त कर्मचारी मुजम्मल हुसैन के साथ मिलकर पाकिस्तान का वीजा दिलवाने के नाम पर अवैध धन वसूली करने के साथ ही राष्ट्रहित से जुड़ी सुरक्षा संबंधित सूचना साझा करने का आरोप है।

धनखड़ परिवार से मिले पीएम मोदी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्नेहभाव के साथ अपने निवास पर भाजपा के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व मंत्री औमप्रकाश धनखड़ के परिवार से मुलाकात की। पीएम मोदी ने औमप्रकाश धनखड़ के पौत्र तेजस को स्नेह व नवविवाहित छोटे बेटे एडवोकेट आशुतोष व पुत्रवधु एडवोकेट रिया को शादी की शुभकामनाएं देते हुए धनखड़ व राठी परिवार को बधाई दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी आत्मीयता के साथ पूर्व मंत्री धनखड़ के पिताजी वैद्य मोहोबत सिंह और माता जी छोटो देवी से कुशलक्षेम पूछा। लम्बी गपशप की । उनके स्वस्थ रहने और दीर्घायु की कामना की। पुत्र वधु जीना व पुत्र आदित्य को जीवन परिश्रम व पुरुषार्थ के महत्त्व पर प्रेरित किया ।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री की धर्म पत्नी निरूपा धनखड़ , समधी , जज सुरेंद्र राठी, समधन प्रो अंजू रतन राठी उनके सुपुत्र और पुत्र वधु, एडवोकेट दिव्यांश हनु राठी और एडवोकेट सुमेधा सिंधु राठी। धनखड़ ने कहा कि परिवार की खुशियों के पलों में देश के प्रधानमंत्री का आशीर्वाद प्राप्त होना हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है। यह अविस्मरणीय क्षण ताउम्र हमारी स्मृतियों में अंकित रहेंगे । प्रधानमंत्री ने तेजस को अत्यंत स्नेह और आशीर्वाद से अभिभूत किया — इसके लिए हम हृदय से कृतज्ञ हैं।

सीएम योगी ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि के बाद उत्पन्न आपदा की स्थिति को देखते हुए सभी संबंधित जनपदों के अधिकारियों को तत्काल राहत कार्य शुरू करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को पूरी तत्परता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आदेश दिया, ताकि प्रभावित लोगों को समय पर सहायता मिल सके। सीएम योगी ने कहा कि अधिकारी तत्काल क्षेत्र का भ्रमण करें और प्रभावित इलाकों में सर्वेक्षण कर स्थिति का आकलन करें। उन्होंने आकाशीय बिजली, आंधी-तूफान और बारिश जैसी प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली जनहानि और पशुहानि की स्थिति में प्रभावितों को तुरंत राहत राशि वितरित करने के निर्देश दिए।

अमृत स्टेशनों में दिखेगी विकसित भारत की झलक: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

पीएम मोदी ने अम्बिकापुर सहित देशभर के 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों किया लोकार्पण

6 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से विकसित किया गया अम्बिकापुर में अमृत स्टेशन

छत्तीसगढ़ को मिली 5 अमृत स्टेशनों की सौगात

रायपुर (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आज देशभर के 103 स्टेशनों का वर्चुअल उद्घाटन किया। इनमें छत्तीसगढ़ के अम्बिकापुर सहित 5 रेल्वे स्टेशन शामिल हैं। इन रेल्वे स्टेशनों को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस किया गया है। यह भारतीय रेलवे के विकास की नई संस्कृति है, जिसमें चुनिंदा रेल्वे स्टेशनों को पुनर्विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय इस वर्चुअल कार्यक्रम में अम्बिकापुर रेल्वे स्टेशन से जुड़े।

गौरतलब है कि भारतीय रेल और देश के प्रधानमंत्री श्री मोदी की दूरदृष्टि का परिणाम रहा है कि इन विकास कार्यों से स्थानीय यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र में पर्यटन एवं आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। भारतीय रेलवे द्वारा 1337 स्टेशनों के कायाकल्प की शुरुआत की है, इनमें 103 स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य पूर्ण हो चुका है। उनमें छत्तीसगढ़ राज्य के पांच स्टेशन बिलासपुर मंडल का अम्बिकापुर, रायपुर मंडल का उरकुरा, भिलाई, भानुप्रतापपुर तथा नागपुर मंडल का डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस

अवसर पर कहा कि सम्माननीय लरंग साय जी के प्रयासों के कारण ही अम्बिकापुर में रेलवे स्टेशन की स्थापना हुई है। देश के प्रधानमंत्री श्री मोदी 140 करोड़ देशवासियों को अपना परिवार मानते हुए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले 2047 तक छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाना है। अमृत काल के तहत रेलवे स्टेशन का लगातार विकास किया जा रहा है। आज प्रदेश के जिन पांच स्थानों का लोकार्पण हुआ है, वह विकसित हो रहे भारत की झलक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जशपुर जिले को भी रेल कनेक्टिविटी से जोड़ने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ की आदिवासी सांस्कृतिक विरासत का केंद्र रहा अम्बिकापुर का रेलवे स्टेशन देश की जीवनरेखा भारतीय रेल का एक अभिन्न अंग है। इस रेलवे स्टेशन को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। यात्रियों को पूरी तरह से सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से इस नए स्टेशन भवन में कई नए प्रावधान भी किए गए हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन में 6 करोड़ 29 लाख रुपए की लागत से उन्नयन तथा आधुनिकीकरण के कार्य किए गये हैं, जिसमें सर्कुलेटिंग क्षेत्र को बेहतर बनाते हुए रोड का चौड़ीकरण, यात्रियों के स्वागत के लिए सुसज्जित प्रवेशद्वार, 3900 वर्गमीटर सड़क, 3677 वर्गमीटर पर दोपहिया, तिपहिया एवं चारपहिया वाहनों के लिए पार्किंग व्यवस्था भी की गई है।

रेलवे स्टेशन परिसर के बाहर एक बड़ा तिरंगा झंडा लगाया गया है साथ ही स्टेशन में यात्रियों के लिए सरगुजा की प्रसिद्ध सीताबेंगरा गुफा की तर्ज पर सेल्फी पॉइंट भी बनाया गया है।

ये हुए शामिल

कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक राजेश अग्रवाल, श्रीमती शकुंतला पोर्ते, श्रीमती उद्देश्वरी पैकरा, राम कुमार टोप्पो, प्रबोध मिंज, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर, महापौर मंजूषा भगत मुख्य सचिव अमिताभ जैन, सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में सरगुजा अंचल के नागरिक शामिल हुए।

अस्पताल में भर्ती हुए पूर्व राज्यपाल

2200 करोड़ के भ्रष्टाचार केस में सीबीआई ने दाखिल की चार्जशीट

जम्मू (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कीरू जलविद्युत परियोजना के लिए 2,200 करोड़ रुपये के कार्यों के ठेके में कथित भ्रष्टाचार के मामले में जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक और पांच अन्य के खिलाफ गुरुवार को आरोपपत्र दायर किया है। सीबीआई ने तीन साल की जांच के बाद एक विशेष अदालत के समक्ष अपनी रिपोर्ट पेश की है। बता दें कि सीबीआई ने अप्रैल 2022 में जम्मू-कश्मीर सरकार के अनुरोध पर मामला दर्ज किया था। मलिक अगस्त 2018 से अक्तूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे।

वहीं इस केस में चार्जशीट

दाखिल होने के बाद मलिक ने एक्स पर लिखा कि वह अस्पताल में भर्ती हैं और किसी से बात करने की स्थिति में नहीं हैं। पूर्व राज्यपाल ने कहा कि उन्हें कई शुभचिंतकों के फोन आ रहे हैं, जिनका वह जवाब नहीं दे पा रहे हैं।

मलिक 23 अगस्त 2018 से 30 अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे थे।

वक्फअपनी प्रकृति से ही एक धर्मनिरपेक्ष अवधारणा–केन्द्र

वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम सुनवाई पूरी, कोर्ट ने याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद बृहस्पतिवार को तीन मुद्दों पर अपना अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया। जिसमें अदालतों द्वारा वक्फ, वक्फबाई यूजर या वक्फबाई डीड घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति भी शामिल है।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने अंतरिम आदेश सुरक्षित रखने से पहले करीब तीन दिन तक वरिष्ठ अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल, राजीव धवन और अभिषेक मनु सिंघवी की दलीलें सुनीं, जो संशोधित वक्फकानून के विरोध में याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सरकार का पक्ष रखा। केंद्र ने इस अधिनियम का दृढ़ता से समर्थन करते हुए कहा कि वक्फ अपनी प्रकृति से ही एक धर्मनिरपेक्ष अवधारणा है और संवैधानिकता की धारणा के इसके पक्ष में होने के मद्देनजर इस पर रोक नहीं लगाई जा सकती। वहीं, याचिकाकर्ताओं की पैरवी कर रहे

सिब्बल ने इस कानून को ऐतिहासिक कानूनी और संवैधानिक सिद्धांतों से पूर्ण विचलन तथा गैर-न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से वक्फपर कब्जा करने का जरिया बताया। सिब्बल ने कहा, यह वक्फ संपत्तियों पर सुनियोजित तरीके से कब्जा करने का मामला है। सरकार यह तय नहीं कर सकती कि कौन से मुद्दे उठाए जा सकते हैं।

इस समय याचिकाकर्ताओं ने तीन अहम मुद्दों पर अंतरिम राहत की मांग की है:

पहला मुद्दा अदालतों द्वारा वक्फ वक्फबाई यूजर या वक्फबाई डीड घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति से जुड़ा हुआ है। दूसरा मुद्दा राज्य वक्फबोर्ड और केंद्रीय वक्फपरिषद की संरचना से संबंधित है। याचिकाकर्ताओं की दलील है कि पदेन सदस्यों को छोड़कर केवल मुसलमानों को ही राज्य वक्फबोर्ड और केंद्रीय वक्फपरिषद में काम करना चाहिए। तीसरा मुद्दा उस प्रावधान से जुड़ा है, जिसमें कहा गया है कि जब कलेक्टर यह पता लगाने के लिए जांच करते हैं कि संपत्ति सरकारी भूमि है या नहीं, तो वक्फ संपत्ति को वक्फ नहीं माना जाएगा। 25 अप्रैल को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने संशोधित वक्फअधिनियम, 2025 के पक्ष में 1,332 पृष्ठों का प्रारंभिक हलफनामा दाखिल किया था और अदालत से इस कानून पर पूर्ण रोक लगाने से इनकार करने का अनुरोध किया था। केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की 5 अप्रैल को मंजूरी मिलने के बाद अप्रैल में वक्फ(संशोधन) अधिनियम, 2025 को अधिसूचित किया।

अजमेर में बांग्लादेशी घुसपैठियों का खुलासा

पहचान छुपाकर रह रही थीं तीन महिलाओं की पहचान, अब तक 41 डिटेन

अजमेर (एजेंसी)। पर्यटन स्थल अजमेर में इन दिनों विदेशी घुसपैठियों के लिए शरणस्थली बनती जा रही है। ताजा मामले में अजमेर जिला पुलिस और सीआईडी जोन की संयुक्त टीम ने सिलावट मोहल्ला से तीन बांग्लादेशी महिलाओं को पकड़ा है, जो वर्षों से फर्जी पहचान के सहारे इस इलाके में छिपकर रह रही थीं। यह महिलाएं खुद को पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर की निवासी बताकर यहां की आबोहवा में घुल-मिल गई थीं, लेकिन दस्तावेजों की जांच ने उनके झूठ की परतें उधेड़ दीं।

पुलिस जांच में सामने आया कि पकड़ी गई महिलाएं—पन्ना

बेगम उर्फ अमीन, समीर, और साहनी उर्फ समीना उर्फ रिहाना—ने भारत में दाखिल होने के लिए बांग्लादेश-भारत की बेनापोल और हिल्ली सीमा से अवैध रूप से प्रवेश किया। इनकी इस गैरकानूनी एंट्री में एजेंटों की भूमिका सामने आई है, जो पैसों के बदले इन घुसपैठियों को चुपचाप सीमा पार करवाते हैं।

ढाका की गलियों से अजमेर तक का सफर

तीनों महिलाएं मूल रूप से बांग्लादेश के जुरैन तुला बगीचा, डाकघर फरीदाबाद, श्याम्पुर, ढाका साउथ सिटी कॉरपोरेशन की निवासी हैं। भारत में घुसने के बाद वे पहले मेदिनीपुर और फिर देश के अलग-अलग शहरों में रुकीं। आखिरकार पिछले दो वर्षों से अजमेर के दरगाह क्षेत्र में स्थायी रूप से बस गईं और स्थानीय समाज में पूरी तरह घुल-मिल गईं। इनका मकसद था—पहचान छुपाकर यहां की नागरिक व्यवस्था में सेंध लगाना।

सलमान की सुरक्षा में चूक, दो दिन में घर में घुसे दो अंजान शख्स; गार्ड्स ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

मुम्बई (एजेंसी)। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई है। दो दिन के भीतर ही दो अंजान लोगों ने सलमान खान के घर में घुसने की कोशिश की है। पहले 20 मई को एक पुरुष ने सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसने की कोशिश की थी, जिसे सिक्योरिटी गार्ड्स ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया था। वहीं अगले दिन यानी 21 मई की रात एक महिला ने भी सलमान के घर में घुसने का प्रयास किया। गुरुवार सुबह मुंबई पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। सबसे पहले मंगलवार को सलमान खान की सिक्योरिटी को चकमा देकर एक शख्स ने उनके घर में घुसने की कोशिश की।

पाक सीमा पर बीकानेर में गरजे पीएम मोदी

जब सिंदूर बारूद बन जाए, तो परिणाम निर्णायक होते हैं

बीकानेर (एजेंसी)। बीकानेर की वीरभूमि से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद पर कड़ा संदेश देते हुए कहा कि जब सिंदूर बारूद बन जाता है, तो उसका अंजाम पूरी दुनिया देखती है। उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले का ज़िक्र करते हुए कहा कि भारत ने आतंक के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की और दुश्मन के घर में घुसकर प्रहार किया। 22 अप्रैल को हुए हमले का बदला सेना ने 22 मिनट में ले लिया।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमने सेना को फ्री हैंड दिया, और आतंक के ठिकानों को मिटा दिया। जो सिंदूर मिटाने निकले थे, उन्हें मिट्टी में

मिला दिया है। यह प्रतिशोध नहीं, न्याय का नया स्वरूप है। यह ऑपरेशन सिंदूर है। पीएम मोदी ने साफ किया कि यह केवल गुस्सा नहीं, बल्कि समर्थ भारत का रौद्र रूप है। पुलवामा हमले के बाद एयर स्ट्राइक की याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि उस हमले के बाद उनकी पहली सभा भी राजस्थान की सीमा पर ही हुई थी। उन्होंने कहा, जो अपने हथियारों पर घमंड करते थे, वो अब मलबे के नीचे दबे पड़े हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण के दूसरे हिस्से में राजस्थान को ऊर्जा और सिंचाई की नई सौगातें दीं। उन्होंने कहा कि सोलर एनर्जी के माध्यम से राजस्थान के लोगों को बिजली बिल से राहत मिली है और कमाई का नया जरिया भी बना है। इस अवसर पर कई ऊर्जा परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी हुआ। राजस्थान की धरती का महत्त्व बताते हुए उन्होंने कहा कि ये महाराजा गंगा सिंह की भूमि है, जिसने रेत के मैदानों में हरियाली लाने का सपना साकार किया।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की रवानगी पर बोला विदेश मंत्रालय

दुनिया आतंकवाद से लड़ने के लिए भारत के साथ आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को साप्ताहिक ब्रीफिंग में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की रवानगी समेत तमाम मुद्दों पर जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम आतंकवाद से लड़ने के अपने संकल्प को दुनिया तक पहुंचा रहे हैं। हम चाहते हैं कि दुनिया आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से लड़ने के लिए एक साथ आए।

उन्होंने कहा कि हम दुनिया से आग्रह करना चाहते हैं कि वे सीमा पार आतंकवाद के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराएं। पाकिस्तान पिछले 40 वर्षों से भारत के खिलाफ आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। उसके कार्यों को उजागर करने की आवश्यकता है। उसे

भारत के खिलाफ किए गए आतंकी हमलों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। इसलिए सात प्रतिनिधिमंडल बनाए गए हैं। तीन प्रतिनिधिमंडल रवाना हो चुके हैं। यह एक राजनीतिक मिशन है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल दुनिया के 33 देशों में जा रहे हैं। सभी देश हमारे मजबूत अंतरराष्ट्रीय साझेदार हैं। हमारे उनके साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। उनमें से कई देश सुरक्षा परिषद के सदस्य हैं या आने वाले दिनों में सुरक्षा परिषद का हिस्सा बनेंगे। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए, यह जरूरी था कि हम इन देशों में जाएं ताकि हम आतंकवाद पर भारत का संदेश बता सकें।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने की पहलगाम आतंकी हमले की निंदा

चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के विदेश मंत्रियों के बीच त्रिपक्षीय वार्ता पर उन्होंने कहा कि हमने कुछ रिपोर्ट देखी हैं। मुझे इसके अलावा और कुछ नहीं कहना है। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री के साथ बातचीत पर हमने जानकारी दी थी।

विदेश मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करने के लिए अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री को धन्यवाद दिया। वे कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी सहमत हुए। विदेश मंत्री ने हाल ही में झूठी और निराधार रिपोर्टों के माध्यम से भारत और अफगानिस्तान के बीच अविश्वास पैदा करने के प्रयासों को दृढ़ता से अस्वीकार करने का भी स्वागत किया।

बातचीत और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत और पाकिस्तान के बीच जंग को समाप्त करने का श्रेय लेने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, कि अपनी पिछली ब्रीफिंग में मैंने इस पर बात की थी। मेरे पास कहने के लिए और कुछ नहीं है। आप हमारी स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच कोई भी जुड़ाव द्विपक्षीय होना चाहिए। बातचीत और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते। आतंकवाद के मामले में हम उन कुख्यात आतंकवादियों को भारत को सौंपने पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं जिनकी सूची कुछ साल पहले पाकिस्तान को दी गई थी। उन्होंने कहा कि मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि जम्मू और कश्मीर पर कोई भी द्विपक्षीय चर्चा केवल पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करने पर होगी।

भारत अपने फैसले खुद करता है किसी तीसरे पक्ष, ट्रंप के मध्यस्थता के दावों के बीच जयशंकर की दो टूक

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तान में आतंक के ठिकानों को बड़ा झटका दिया है। इस सैन्य कार्रवाई के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया था, जिस पर 10 मई को अमेरिका के हस्तक्षेप के बाद सीजफायर की घोषणा कर दी गई। अब विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। जयशंकर इन दिनों यूरोप दौरे पर हैं और उच्च सरकारी चैनल हहस को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने पहली बार खुलकर इस संघर्ष और सीजफायर पर बात की।

संक्षिप्त समाचार

रजिस्ट्री में 10 नई क्रांतियों पर कार्यशाला का आयोजन 24 को, जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल कार्यशाला में होंगे शामिल

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल की उपस्थिति में शनिवार 24 मई को जिला पंचायत के सभाकक्ष में रजिस्ट्री में 10 नई क्रांतियों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया है।प्राप्त जानकारी अनुसार पंजीयन विभाग के 10 नये जनोपयोग सुधारों की एक दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण जनसामान्य के जानकारी एवं प्रचार-प्रसार के लिए रखा गया है। जिसमें संबंधितों को उपस्थित होने का आग्रह किया गया है।

पीएम आवास में बोगस जीओ टैगिंग की शिकायत पर हुई कार्यवाही, कलेक्टर के निर्देश पर तीन आवास मित्रों को हटाया

गरियाबंद (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना में लापरवाही पर कलेक्टर बी.एस उइके ने संज्ञान लेते हुए बड़ी कार्यवाही की है। पीएम आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत देवभोग क्षेत्र में बोगस जीओ टैगिंग करने के प्राप्त शिकायत पर कलेक्टर के निर्देशानुसार तीन आवास मित्रों को हटाने की कार्यवाही की गई है।साथ ही विकासखण्ड समन्वयक एवं झाखरपारा के ग्राम पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसके अंतर्गत ग्राम पंचायत दहीगांव के आवास मित्र भूवनलाल नागेश,ग्राम पंचायत झाखरपारा के आवास मित्र प्रदीप एवं पूर्णिमा का तत्काल प्रभाव से सेवा समाप्त कर दिया गया है।साथ ही विकासखण्ड समन्वयक जनपद पंचायत देवभोग विकास कुमार द्विवेदी एवं ग्राम पंचायत झाखरपारा के सचिव अर्जुन नायक को दो दिन के भीतर जिला पंचायत सीईओ के समक्ष स्पष्टीकरण देने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

उल्लेखनीय है कि बोखस जीओ टैगिंग के संबंध में प्राप्त शिकायत की जांच जिला स्तर जांच समिति द्वारा किया गया। जांच समिति द्वारा ग्राम पंचायत पुरनापानी, झाखरपारा एवं दहीगांव के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक,आवास मित्र,हितग्राही एवं ग्रामीणों का कथन लिया गया। साथ ही आवासों का भौतिक निरीक्षण भी किया गया।भौतिक स्थिति एवं संबंधितों द्वारा जिओ टैगिंग के संबंध में प्रशासन को सौंपे गये रिपोर्ट में भिन्नता पाई गई।उक्त कृत्य को गंभीर लापरवाही एवं उदासीनता मानते हुए संबंधितों पर कार्यवाही की गई।

कलेक्टर की अध्यक्षता में से संघर्षरत बालकों के प्रकरण में लंबन एवं सामाजिक अन्वेषण प्रतिवेदन के संबंध में समन्वय बैठक

महासमुंद (समय दर्शन)। कलेक्टर विनय लंगेह की अध्यक्षता में विधि से संघर्षरत बालकों के प्रकरण में लंबन एवं सामाजिक अन्वेषण प्रतिवेदन के संबंध में आज समन्वय बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आहूत की गई। उक्त बैठक में सुश्री तान्या ब्रम्हे प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड महासमुंद, श्रीमती सारिका वैद्य उपपुलिस अधीक्षक, श्री समीर पाण्डेय जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं श्री खेमराज चौधरी जिला बाल संरक्षण अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई शामिल हुए। समन्वय बैठक में चर्चा के दौरान अवगत कराया गया कि किशोर न्याय बोर्ड में जघन्य अपराध के 104 प्रकरण एवं गंभीर अपराध के 155 प्रकरण इस प्रकार कुल 259 प्रकरण लंबित है। कलेक्टर द्वारा एक वर्ष से अधिक लंबित प्रकरणों का त्वरित संज्ञान लेते हुए निराकरण करने के निर्देश दिये गये। पुराने प्रकरण में गवाही, साक्ष्य एवं बालक उपस्थित नहीं होने के कारण अग्रिम कार्यवाही करने में विलंब हो रहा है, साथ ही नये प्रकरण में वारंट जारी नहीं हो रहा है, नोटिस जारी किया जा रहा है।

धनगांव में आवास सर्वे के नाम पर 100 रूपए की वसूली की शिकायत जांच में सही, सक्रिय महिला पद से हटाई गई

सरपंच निरुपा ध्रुव ग्राम पंचायत धनगांव

सचिव ग्राम पंचायत धनगांव

जनपद सदस्य चंद्रीका तुलसी मनहरे

टिकेश्वर कुमार

बलौदा बाजार (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत बलौदा बाजार के ग्राम धनगांव में आवास सर्वे के नाम पर ग्रामीणों से ?100 की वसूली की शिकायत 1 मई 2025 को कलेक्टर को दी गई थी। शिकायत की जांच जनपद पंचायत सीईओ एफसी. पटेल के निर्देश पर जांच अधिकारी नरेश टंडन व अन्य की टीम द्वारा की गई।

जांच में यह पुष्टि हुई कि राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत कार्यरत सक्रिय महिला बसंती चंदेल द्वारा ग्रामीणों से राशि वसूली गई थी। इस आधार पर उन्हें उनके पद से हटा दिया गया है। हालांकि, सरपंच निरूपा ध्रुव, सचिव सरिता श्रीवास और शशि भारद्वाज के खिलाफ कोई प्रमाणिक साक्ष्य नहीं मिलने से उनके विरुद्ध की गई शिकायतों को निराधार बताया गया।

बसंती चंदेल ने जांच अधिकारियों के समक्ष स्वीकार किया कि उन्होंने सर्वे कार्य के लिए दो निजी युवकों को लगाया था, जिनका मेहनताना चुकाने के उद्देश्य से ग्रामीणों से पैसे लिए गए। उन्होंने गलती स्वीकारते हुए क्षमा याचना की और राशि लौटाने की बात कही।

वहीं, ग्रामीण टिकेश्वर घृतलहरे समेत अन्य ग्रामीणों ने जांच प्रक्रिया को अपारदर्शी बताया। उनका कहना है कि सर्वे के अंतिम दिनों में स्वयं सचिव ने मोबाइल से सर्वे किया था और उनसे भी राशि ली गई। ग्रामीणों का दावा है कि 20 से अधिक लोगों से पैसा लिया गया, लेकिन इसकी निष्पक्ष जांच नहीं की गई। उन्होंने जिला प्रशासन से दोबारा स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की है। जनपद सदस्य चंद्रिका तुलसी मनहरे ने बताया कि सर्वेकर्ता ने स्वयं अपनी गलती स्वीकार की है, जबकि सरपंच और सचिव पर चुनावी रंजिश के चलते आरोप लगाए जा रहे हैं।

सरपंच निरूपा ध्रुव और सचिव सरिता श्रीवास ने भी सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

गरियाबंद पुलिस की एक सराहनीय पहल, साइबर सेल की मदद से 48 गुम हुए मोबाइल को उनके मालिकों को सुपूर्द

गरियाबंद (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा की एक सराहनीय पहल किया गया जिसमे खोए हुए मोबाइल को ष्टश्वढ्ढक्र पोर्टल के माध्यम से ढूंढ कर मोबाइल स्वामी को लौटाया गया।

22 मई को आमजनों की खुशियों के लिए गरियाबंद पुलिस साइबर सेल की मदद से 48 गुम मोबाइल को बरामद कर संबंधित व्यक्तियों को सुपुर्द किया गया।गुम हुए मोबाइल को पाकर सभी लोगों के चेहरे में खुशियां फिर से लौट आई।यह पहल आगे भी जारी रहेगा।गरियाबंद पुलिस की आमजन से अपील है कि किसी भी व्यक्ति का किन्ही कारणवश मोबाइल गुम हो जाता है तो उसकी सूचना तत्काल साइबर सेल गरियाबंद को जरूर दें ताकि गुम हुए मोबाइल प्रार्थी को मिल सके। **CEIR Portal** भारत सरकार द्वारा जारी किया गया एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। जिसके माध्यम से गुम एवं चोरी हुए मोबाइल के ढ्ढरूश्वढ्ढ नंबरों को सर्च करने पर वर्तमान में मोबाइल हैंडसेट में चल रहे सीम को सर्च कर जानकारी प्राप्त किया जाता है जो गरियाबंद पुलिस की यह पहल आगे भी जारी रहेगा।

मोबाइल गुम हो जाने पर सबसे पहले क्या करें? मोबाईल गुम होन पर नजदीकी थाना जाये जहां फोन की कुछ डीटेल्स मांगी जाएंगी.इसमें मोबाइल नंबर, ढ्ढरूश्वढ्ढ,डिवाइस ब्रांड,डिवाइस मॉडल, मोबाइल की रसीद,कहां खोया,फोन खोने की तारीख,फोन के मालिक का नाम, घर का पता,आधारकार्ड जरूर साथ में लाएं।

गरियाबंद पुलिस द्वारा अधिकारी/ कर्मचारियों के उत्साहवर्धन के लिए चुना गया कॉप ऑफ द मंथ

गरियाबंद (समय दर्शन)। माह अप्रेल 2025 विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को दी गई प्रशस्ति पत्र।इस पहल के तहत पुलिसकर्मियों द्वारा ड्यूटी के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मचारियों को कॉप ऑफद मंथ चुना जाता है। माह अप्रेल 2025 में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी/कर्मचारी प्रधान आरक्षक 86 थानेश्वर वर्मा थाना पांडुका के द्वारा थाना गरियाबंद क्षेत्र अंतर्गत छिन तालाब के पास एक वृद्ध व्यक्ति से 1 लाख रुपए का लूट कर फरार आरोपी को पकड़ने में विषेश भूमिका रही। इसी क्रम में आरक्षक प्रवीण वर्मा थाना मैनपुर के द्वारा 23 किलो ग्राम गांजा के साथ 4 आरोपी को पड़ने में विशेष भूमिका रही,आरक्षक क्रमांक परमानंद साहू थाना फिंगेश्वर के द्वारा ग्राम मंदबाय से 105 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी को पकड़ने में विशेष भूमिका रही। आरक्षक क्रमांक कमल नारायण साहू थाना राजिम के द्वारा अपने सूझबूझ से बलात्कार/पॉक्सो एक्ट के प्रकरण में पीड़िता की दस्तयाबी एवं आरोपियों की गिरफ्तारी करवाने में विशेष भूमिका रही। कॉप ऑफद मंथ इस पहल के माध्यम से माह में सराहनी एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।जिससे अधिकारी/कर्मचारियों में उत्साह बनी रहती है। यह पहल आगे भी जारी रहेगा।

सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक और ऑलवा फाऊंडेशन के बीच छत्तीसगढ़ में एनजीओ और बैंक लिंकेज को लेकर रणनीतिक बैठक

राजनांदगांव (समय दर्शन)। सूर्योदय स्मॉल फइनेंस बैंक की छत्तीसगढ़ टीम और ऑलवा फउंडेशन के बीच रायपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य सामाजिक संगठनों (एनजीओ/ट्रस्ट) को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ते हुए राज्य के ग्रामीण और वंचित वर्गों तक वित्तीय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना था।

इस बैठक में सूर्योदय बैंक की ओर से सौरभ और श्री चतुर्वेदी जैसे वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जबकि ऑलवा फउंडेशन की ओर से निदेशक हेमशंकर जेठमल साहू ने नेतृत्व किया। बैठक में महिला स्व सहायता समूहों (एसएचजीएस) को बैंक ऋण, डिजिटल सेवाओं और वित्तीय साक्षरता से जोड़ने की रणनीति पर चर्चा हुई। साथ ही बैंक की सीएसआर पहलों को सामाजिक परियोजनाओं से जोड़कर समुदायों के समग्र विकास के लिए एक साझा कार्ययोजना तैयार की गई।

हेमशंकर जेठमल साहू ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, सीएसआर फंडिंग का सदुपयोग तभी संभव है, जब उसे सही जमीनी संगठनों के माध्यम से लक्षित समुदायों तक पहुँचाया जाए। बैंक जैसे संस्थानों का सहयोग सामाजिक विकास के लिए एक उत्प्रेरक की भूमिका निभा सकता है।

इस अवसर पर सामाजिक रणनीति विशेषज्ञ विश्वास त्रिपाठी ने भी बैठक में भाग लिया और उन्होंने कहा कि, स्थानीय सामुदायिक आधारित संगठनों (सीबीओएस) और छोटे एनजीओ को यदि प्रारंभिक वित्तीय सहायता दी जाए, तो वे जमीनी स्तर पर स्थायी सामाजिक परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। दोनों पक्षों ने राज्य के विभिन्न जिलों में पायलट प्रोजेक्ट्स प्रारंभ करने और एक सतत एनजीओ बैंक संवाद मंच स्थापित करने पर सहमति जताई, जिससे आने वाले समय में सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा मिलेगी।

पद्म भूषण, पद्मश्री एवं पद्म विभूषण पुरस्कार के लिए नामांकन आमंत्रित

रायपुर (समय दर्शन)। भारत के गृह मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार पद्म पुरस्कार 2026 के लिए 31 जुलाई तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। यह गणतंत्र दिवस पर दिए जाएंगे।

पीआईबी द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार गृह मंत्रालय ने इन पुरस्कारों के लिए योग्य प्रत्याशियों से अलग-अलग बेबसाइट में आवेदन करने को कहा है। जारी विज्ञप्ति अनुसार गणतंत्र दिवस, 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कार-2026 के लिए ऑनलाइन नामांकन/सिफारिशें 15 मार्च 2025 से शुरू हो गई हैं। पद्म पुरस्कारों के नामांकन की अंतिम तारीख 31 जुलाई 2025 है। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन/सिफारिशें राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन प्राप्त की जाएंगी। पद्म पुरस्कार, अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं। वर्ष 1954 में स्थापित, इन पुरस्कारों की घोषणा प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। इन पुरस्कारों के अंतर्गत 'उत्कृष्ट कार्य' के लिए सम्मानित किया जाता है। पद्म पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरी, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवा के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को छोड़कर अन्य सरकारी सेवक, जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी सेवक भी शामिल है, पद्म पुरस्कारों के पात्र नहीं हैं।

सरकार पद्म पुरस्कारों को पीपल्स पद्म बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। अत:, सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे नामांकन/सिफारिशें करें। नागरिक स्वयं को भी नामित कर सकते हैं।

सुगम और समावेशी निर्वाचन के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने पिछले तीन महीनों में शुरू किए 18 नए नवाचार

बेमेतरा (समय दर्शन)। भारत निर्वाचन आयोग ने देश में सुगम और समावेशी निर्वाचन के लिए पिछले तीन महीनों में 18 नए नवाचार प्रारंभ किए हैं। इनमें सुविधाजनक मतदान से लेकर राजनीतिक दलों की सहभागिता बढ़ाने, प्रक्रियागत सुधार से लेकर निर्वाचन कार्यों में लगे अमलों की क्षमता बढ़ाने, सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग से निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया को सुगम एवं पारदर्शी बनाने से लेकर ईसीआई मुख्यालय में ई-ऑफिस सिस्टम लागू करने जैसे कई प्रभावी और अभिनव कदम शामिल हैं।

भारत निर्वाचन आयोग ने नई पहल करते हुए एक मतदान केंद्र पर अधिकतम 1200 मतदाताओं की सीमा निर्धारित की है। ऊंची इमारतों एवं कालोनियों में अतिरिक्त मतदान केंद्र स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया है। मतदाता सूची के अद्यतनीकरण हेतु मृत्यु पंजीकरण का डेटा रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया (ऋत्रढ्ढ) डेटाबेस से सीधे प्राप्त किया जाएगा और सत्यापन के बाद अद्यतनीकरण किया जाएगा। आयोग ने मतदाता सूचना पर्चियों को और अधिक उपयोगकर्ता अनुकूल बनाने का भी निर्णय लिया है। अब इसमें मतदाता का क्रमांक और भाग संख्या अधिक स्पष्टता के साथ प्रदर्शित किए जाएंगे।

भारत निर्वाचन आयोग निवार्चन की संपूर्ण प्रक्रिया में हर स्तर पर राजनीतिक दलों की सहभागिता बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रहा है। इसके लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ देशभर में 4719 बैठकें आयोजित की गई हैं। इन बैठकों में राजनीतिक दलों के 28 हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने भागीदारी दी है। सभी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों को मिलाकर सीईओ स्तर पर 40, डीईओ स्तर पर 800 तथा ईआरओ स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ 3879 बैठकें आयोजित की गई हैं। इन बैठकों में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के प्रमुख दलों आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया-मार्क्सवादी, एनपीपी की मौजूदगी रही है। राजनीतिक दलों के साथ अलग-अलग स्तरों पर बैठकों के साथ ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राजनीतिक दलों के बूथ स्तरीय एजेंटों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

भारत निर्वाचन आयोग प्रक्रियात्मक सुधारों (क्कह्मश्रष्द्गस्रह्वह्म्ड्डद्य ऋद्गद्घशह्मद्व) की दिशा में भी सक्रियता से काम कर रही है। आयोग द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया के विभिन्न स्टेकहोल्डर्स की सुविधा के लिए नया एकीकृत डैशबोर्ड ईसीआईनेट (श्वष्टढ्ढहृश्वञ्ज) शुरू किया गया है। इसमें सभी हितधारकों के लिए एक ही स्थान पर सभी सेवाएं उपलब्ध हैं। ईसीआई के 40 से अधिक एप्स एक ही प्लेटफार्म पर मौजूद हैं। इसके साथ ही डुप्लिकेट इपिक (श्वक्कढ्ढष्ट) नंबर की समस्या के समाधान के लिए ईसीआई द्वारा अब विशिष्ट इपिक नंबर की नई प्रणाली लागू की गई है।

भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची तैयार करने और निर्वाचन कराने की पूरी प्रक्रिया में 28 हितधारकों की पहचान की है। इनमें मतदाता, निर्वाचन अधिकारी, राजनीतिक दल, उम्मीदवार एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, 1951 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960 और निर्वाचन संचालन नियम 1961 और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों पर आधारित अन्य शामिल हैं। इन सभी हितधारकों के लिए अधिनियमों, नियमों और आयोग के निर्देशों के आधार पर प्रशिक्षण प्रस्तुतियाँ तैयार की जा रही हैं।

आयोग ने निर्वाचन कार्मिकों (श्वद्यद्गष्ह्लद्बशठ्ठ स्ह्लड्डद्घद्घ) के सशक्तीकरण के लिए भी नए कदम उठाए हैं। बीएलओ को मानक फोटो पहचान पत्र (स्ह्लड्डठ्ठस्रड्डह्म्स्र क्कद्धशह्लश ढ्ढष्ट ष्टड्डह्म्स्र) दिए जाने के साथ ही नई दिल्ली स्थित आईआईआईडीईएम (ढ्ढढ्ढढ्ढष्ठश्वरू) में लगातार क्षमता निर्माण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसमें अब तक 3000 से अधिक बूथ स्तर पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अगले कुछ वर्षों में एक लाख से अधिक बीएलओ पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालयों के एसएमएनओ (स्रूहृह्य) और एमएनओ (स्रूहृह्य) के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम भी आयोजित किए गए हैं। निर्वाचन में सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण पहलू के मद्देनजर बिहार के पुलिस अधिकारियों को भी आईआईआईडीईएम (ढ्ढढ्ढढ्ढष्ठश्वरू) में प्रशिक्षण दिया गया है।

नई दिल्ली स्थित भारत निर्वाचन आयोग के मुख्यालय में भी कार्यों में बेहतरी और कसावट के लिए कई सुधार जारी हैं। बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू करने के साथ ही वहां ई-ऑफिस का कार्यान्वयन शुरू हो चुका है। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ बेहतर समन्वय के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियो के साथ आयोग नियमित बैठकें भी कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने ग्राम दोकड़ा में भगवान जगन्नाथ मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुए

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने बुधवार को कांसाबेल विकास खंड के ग्राम दोकड़ा के प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर का जीर्णोद्धार पश्चात प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुई उन्होंने भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की मुख्यमंत्री ने दोकड़ा में 24 लाख 74 हजार की लागत से बनने वाले महतारी सदन का भूमि पूजन किया मुख्यमंत्री ने दोकड़ा के श्री जगन्नाथ मंदिर समिति के सदस्यों धन्यवाद देते हुए उनके कार्यों की सराहना की ग्रामवासी धर्म कर्म के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि दोकड़ा में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 1942 से निकाली जा रही है। रथ यात्रा की शुरुआत दोकड़ा गांव के पंडित स्व सुदर्शन सतपथी और उनकी धर्मपत्नी श्री सुशीला सतपथी के द्वारा शुरू किया गया था।

मंदिर का निर्माण 1968 में किया गया था।

जशपुर जिले के दोकड़ा में कॉलेज खोलने सहित कई घोषणाएं

सर्वे सूची में शामिल हितग्राहियों को मिलेगा पीएम आवासः विष्णुदेव साय

रायपुर। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री साय का हेलीकॉप्टर बुधवार को जशपुर जिले के ग्राम दोकड़ा में अचानक उतरा और वे वहां आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर दोकडा में कालेज और मिनी स्टेडियम की घोषणा की। उन्होंने वहां के प्राथमिकता स्वास्थ्य केन्द्र, वनवासी कल्याण आश्रम के उन्नयन, के साथ ही डोरियामुडा जलाशय का सौन्दर्यकरण कराए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने मंगल भवन के जिर्णोद्धार के लिए 20 लाख और शिव मंदिर परिसर का जीर्णोद्धार कराए जाने की भी मंजूरी दी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने समाधान शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से हम लोग गांव-गांव पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के सर्वे सूची में जितने भी हितग्राहियों का नाम है सभी को पीएम आवास स्वीकृत किया जाएगा। पिछले डेढ़ वर्षों में मोदी जी की अधिकांश गारंटी को हमारी सरकार ने पूरा किया है। सुशासन तिहार के दौरान पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को नए आवास स्वीकृति के साथ ही पूर्ण हो चुके गए पीएम आवासों की चाँबी सौंपकर उन्हें गृह प्रवेश कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सशासन तिहार के अंतर्गत शिविर के माध्यम से लोगों की समस्याओं और मांगों का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गांव में लोगों को ऑनलाईन तथा बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केन्द्र खोला गया है इन केंद्रों के माध्यम से ऑनलाइन विभिन्न प्रकार के दस्तावेज प्राप्त करने और राशि के लेन-देन की सुविधा ग्रामीणों को मिलने लगी है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी पत्नी श्रीमती कौशल्या साय, सरगुजा आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने समाधान शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभान्वित हितग्राहियों को गृह प्रवेश के लिए घर की चाबी तथा नए आवास निर्माण के लिए स्वीकृति पत्र, हितग्राहियों को मुद्रा लोन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, नए राशन कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, मछली जाल और आईस बाक्स, मनरेगा जाब कार्ड, वालीबॉल और क्रिकेट खिलाड़ियों को किट प्रदान किए। उन्होंने इस मौके पर हायर सेकेण्डरी और हाईस्कूल के बोर्ड परीक्षा में मेरिट लिस्ट में आने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

संक्षिप्त समाचार

राज्य सूचना आयुक्त नरेंद्र शुक्ल को कार्यकाल पूर्ण होने पर दी विदाई

रायपुर। राज्य सूचना आयुक्त नरेंद्र शुक्ल को उनके कार्यकाल की पूर्णता के उपलक्ष्य में बुधवार को राज्य सूचना आयोग की ओर से एक भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर आयोग में समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। विदाई समारोह में राज्य सूचना आयुक्त आलोक चंद्रवंशी, आयोग के सचिव नीलम नामदेव एक्का, उप सचिव श्रीमती आभा तिवारी सहित आयोग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। सभी ने शुक्ल के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके कुशल नेतृत्व और पारदर्शिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को याद किया।समारोह के अंत में शुक्ल को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

राज्य के अस्पतालों को मिले 7 नए विशेषज्ञ चिकित्सक

स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने जारी किया आदेश

रायपुर। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने की दिशा में एक और कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री साय और स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल के निर्देश पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (ह्।रू) ने 7 विशेषज्ञ चिकित्सकों की संविदा नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। इन चिकित्सकों की तैनाती प्रदेश के विभिन्न जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में की गई है। इन चिकित्सकों को संबंधित जिलों के ग्रामीण एवं शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला चिकित्सालयों में पदस्थ किया गया है। इस संबंध में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ ने बुधवार को नवीन संविदा नियुक्ति आदेश जारी कर दिए गए हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों (संविदा) के जारी आदेश में डॉ पियुष देवांगन व डॉ विवेक सिंह को जिला अस्पताल बालोद, डॉ. अर्पित यादव, जिला अस्पताल कबीरधाम, डॉ शशिकांत कुमार जिला अस्पताल मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, डॉ संजय कुमार अग्रवाल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरायपाली, जिला महासमुंद, डॉ घनश्याम गंगवानी व डॉ. प्रियंका जोशी की सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरगांव, जिला मुंगेली में पदस्थापना की गई है।

ऑपरेशन साइबर शील्डः साइबर ठगी में शामिल 10 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर रेंज पुलिस ने साइबर ठगी में शामिल एक बड़े नेटवर्क को बेनकाब करते हुए 'ऑपरेशन साइबर शील्ड' के तहत 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई रेंज पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा के निर्देश पर रेंज साइबर थाना रायपुर द्वारा की गई। गिरफ्तार आरोपी साइबर ठगी के लिए फर्जी बैंक खाते खुलवाने, ऑपरेट करने, और अवैध लेन-देन में सक्रिय थे।

गिरफ्तार आरोपियों में उत्तरप्रदेश और छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले से संबंधित युवक शामिल हैं। इन सभी ने म्यूल अकाउंट्स के ज़रिए साइबर फ्रॉड की रकम को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किया और खुद संचालित किया।

गिरफ्तार आरोपी:

देवेंद्र शर्मा, 32, अरेल, मुंडेरवा, उत्तरप्रदेश

सनी सोनी, 26, भवानी नगर, कोटा, रायपुर

राकेश साहू, 45, दलदल सिवनी, मोवा, रायपुर

राजेन्द्रपुरम, 32, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सड्डू, रायपुर

भानु प्रताप सेन, 22, तूता, रायपुर

अब्दुल कलाम, 49, मौदहापारा, रायपुर

रोहित कस्तूरिया, 24, न्यू राजेंद्र नगर, रायपुर

रितेश निर्मलकर, 39, कुंद्रा पारा, गुढियारी, रायपुर

ऋतिक शर्मा, 25, तिल्दा, रायपुर

बज्जू शर्मा, 25, वार्ड 16, तिल्दा, रायपुर

पुलिस की कार्रवाई: थाना सिविल लाइन में दर्ज अपराध क्रमांक 44/25 और 129/25 के तहत आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। आरोपियों से ठगी की रकम, बैंक डिटेल्स, डिजिटल उपकरण, और अन्य साक्ष्य जब्त किए गए हैं। आरोपियों की भूमिका केवल बैंक खाता खुलवाने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वो खुद ट्रांजैक्शन को मॉनिटर करते और रकम को कई खातों में बांटते थे।

साइबर शील्ड के तहत व्यापक जांच:- इस अभियान के तहत अब तक कई बैंक अधिकारी, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, फ्रॉड कॉलर, सिम विक्रेता और चार्टर्ड अकाउंटेंट जैसे लोग भी चिह्नित किए जा चुके हैं। साइबर थाना रायपुर को तकनीकी संसाधनों और प्रशिक्षण से लैस कर ठगी की इस नई चुनौती से निपटने में सक्षम बनाया गया है।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक, कॉल या संदेश से सावधान रहें और ठगी की आशंका होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं।

PM मोदी करेंगे अम्बिकापुर समेत 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन

रायपुर। प्रधानमंत्री मोदी 22 मई को प्रात: 9:30 बजे वर्चुअल माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत देशभर के 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। इन स्टेशनों का उन्नयन यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में कुल 1337 स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जिनमें से 103 स्टेशन अब पूरी तरह तैयार हैं। इनमें छत्तीसगढ़ राज्य के 05 स्टेशन शामिल हैं, जिसमें बिलासपुर मंडल के अम्बिकापुर स्टेशन, रायपुर मंडल के उरकुरा भिलाई एवं भानुप्रतापपुर स्टेशन तथा नागपुर मंडल के डोंगरगढ़ स्टेशन शामिल हैं। इन स्टेशनों को आधुनिक स्वरूप दिया गया है। इन स्टेशनो के सुविधाओं में भव्य प्रवेश द्वार, आकर्षक फ्साड, हाई मास्ट लाइटिंग, आधुनिक प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, मॉर्डन टॉयलेट, दिव्यांगजन के लिए सुगम रैंप, प्लेटफॉर्म शेल्टर, कोच इंडिकेशन सिस्टम और डिजिटल डिस्प्ले शामिल हैं। साथ ही, स्थानीय लोक कला, संस्कृति और परंपराओं को भी स्टेशन डिज़ाइन में स्थान दिया गया है।

शिक्षक ही देते हैं बच्चों के जीवन को सही दिशा : डॉ. वर्णिका शर्मा

मोर मयारू गुरूजी कार्यक्रम में शिक्षकों को बाल अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक

रायपुर। छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा स्थित न्यू सर्किट हाउस में ''मोर मयारू गुरूजी'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रायपुर जिले के 77 शिक्षकों ने सहभागिता की और बाल अधिकारों के संरक्षण, बच्चों के मानसिक विकास एवं शिक्षकों की भूमिका पर गहन विमर्श हुआ।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा, जब बच्चा पांच वर्ष का होता है, तब माता-पिता उसे शिक्षकों के हवाले कर देते हैं। इसके बाद उसके जीवन की दिशा और सोच को आकार देने का कार्य शिक्षक करते हैं। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे इस भूमिका को पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ निभाएं। डॉ. शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम सिर्फ प्रशिक्षण नहीं, बल्कि एक मिशन है, जिसका उद्देश्य है बच्चों को सशक्त, आत्मविश्वासी और नैतिक नागरिक के रूप में गढ़ना। उन्होंने आयोग द्वारा ऐसे रुचिकर एवं प्रेरणात्मक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए पूरी टीम को साधुवाद दिया। कार्यक्रम में आयोग के सचिव प्रतीक खरे ने प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि किस प्रकार एक शिक्षक के व्यवहार, संवेदना और दृष्टिकोण का गहरा प्रभाव बच्चों के चरित्र निर्माण पर पड़ता है। उन्होंने बच्चों की सहभागिता, शोषण से सुरक्षा और व्यक्तित्व विकास के अधिकारों को समझाने के लिए शिक्षकों से संवाद किया। ''मैं तो तोर छाया हरव'' यह भावपूर्ण उद्घोष कार्यक्रम की आत्मा बनकर सामने आया, जिसमें यह संदेश छिपा है कि शिक्षक अपने शिष्य के लिए सिर्फ मार्गदर्शक नहीं, बल्कि एक छाया की तरह रक्षक भी होता है।

शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच को बेहतर बनाने युक्तियुक्तकरण जरूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्कूली शिक्षा की व्यवस्था को बेहतर और ज्यादा प्रभावशाली बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया शुरू की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह है कि जहां जरूरत है वहां शिक्षक उपलब्ध हों और बच्चों को अच्छी शिक्षा, बेहतर शैक्षणिक वातावरण और बेहतर सुविधाएं मिल सकें। युक्तियुक्तकरण का मतलब है स्कूलों और शिक्षकों की व्यवस्था को इस तरह से सुधारना कि सभी स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात संतुलित हो और कोई भी स्कूल बिना शिक्षक के न रहे।

वास्तविक स्थिति- राज्य की 30,700 प्राथमिक शालाओं में औसतन 21.84 बच्चे प्रति शिक्षक हैं और 13,149 पूर्व माध्यमिक शालाओं में 26.2 बच्चे प्रति शिक्षक हैं, जो कि राष्ट्रीय औसत से कहीं बेहतर है। हालांकि 212 प्राथमिक स्कूल अभी भी शिक्षक विहीन हैं और 6,872 प्राथमिक स्कूलों में केवल एक ही शिक्षक कार्यरत है। पूर्व माध्यमिक स्तर पर 48 स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं और 255 स्कूलों में केवल एक शिक्षक है। 362 स्कूल ऐसे भी हैं जहां शिक्षक तो हैं, लेकिन एक भी छात्र नहीं है। इसी तरह शहरी क्षेत्र में 527 स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात 10 या उससे कम है। 1,106 स्कूलों में यह अनुपात 11 से 20 के बीच है। 837 स्कूलों में यह अनुपात 21 से 30 के बीच है। लेकिन 245 स्कूलों में यह अनुपात 40 या उससे भी ज्यादा है, यानी छात्रों की दर्ज संख्या के अनुपात में शिक्षक कम हैं।

युक्तियुक्तकरण के क्या होंगे फायदे- जिन स्कूलों में ज्यादा शिक्षक हैं लेकिन छात्र नहीं, वहां से शिक्षकों को निकालकर उन स्कूलों में भेजा जाएगा जहां शिक्षक नहीं हैं। इससे शिक्षक विहीन और एकल शिक्षक वाले स्कूलों की समस्या दूर होगी। स्कूल संचालन का खर्च भी कम होगा और संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा। एक ही परिसर में ज्यादा कक्षाएं और सुविधाएं मिलने से बच्चों को बार-बार एडमिशन लेने की जरूरत नहीं होगी। यानी एक ही परिसर में संचालित प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल संचालित होंगे तो प्राथमिक कक्षाएं पास करने के बाद विद्यार्थियों को आगे की कक्षाओं में एडमिशन कराने की प्रक्रिया से छुटकारा मिल जाएगा। इससे बच्चों को पढ़ाई में निरंतरता बनी रहेगी। बच्चों के स्कूल छोड़ने की दर (ड्रॉपआउट रेट) भी घटेगी। अच्छी बिल्डिंग, लैब, लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं एक ही जगह देना आसान होगा। शिक्षा विभाग ने कतिपय शैक्षिक संगठनों द्वारा युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया पर उठाए गए भ्रामक सवालों के संबंध में स्पष्ट किया है कि युक्तियुक्तकरण का मकसद किसी स्कूल को बंद करना नहीं है बल्कि उसे बेहतर बनाना है। यह निर्णय बच्चों के हित में, और शिक्षकों की बेहतर तैनाती के लिए लिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल राज्य की शिक्षा व्यवस्था को ज्यादा सशक्त और संतुलित बनाएगी।

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, उनके कल्याण और जागरूकता को बढ़ावा देना रहा

बाल अधिकार संरक्षण आयोग का आह्वानः हर बच्चा है अधिकारों का हकदार

रायपुर। छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा ''बाल अधिकारों पर आह्वान'' नामक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। न्यू सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, उनके कल्याण और जागरूकता को बढ़ावा देना रहा।

आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को जीवन, सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और विकास के समान अवसर मिलना उनके मौलिक अधिकार हैं। बच्चों को शोषण, दुर्व्यवहार, उपेक्षा और हिंसा से बचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बाल श्रम, तस्करी और यौन शोषण जैसे खतरों से बच्चों की रक्षा करने की आवश्यकता पर बल दिया। आयोग के सचिव प्रतीक खरे ने कहा कि आज के समय में बच्चे विभिन्न प्रकार की हिंसा और शोषण का सामना कर रहे हैं, जिसे रोकने के लिए जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने सभी संबंधित हितधारकों जैसे माता-पिता, शिक्षक, समुदाय, पुलिस और बाल सहायता संस्थाओं से मिलकर कार्य करने की अपील की। उन्होंने पॉक्सो अधिनियम और किशोर न्याय अधिनियम की जानकारी और प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर आंजनेय विश्वविद्यालय के 50 विद्यार्थियों, फैकल्टी सदस्य और बाल आयोग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बच्चों के अधिकारों से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई और उनके संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया।

संपादकीय

कोई और पद स्वीकार नहीं

हाल में सर्वोच्च न्यायपालिका के जजों का जिस तरह का आचरण रहा है, उसे देखते हुए जस्टिस संजीव खन्ना के इस एलान का महत्त्व और भी अधिक महसूस हुआ है कि रिटायरमेंट के बाद वे कोई पद स्वीकार नहीं करेंगे। यह उत्कृष्ट उदाहरण है। निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिन यह प्रशंसनीय घोषणा की कि रिटायरमेंट के बाद वे कोई और पद स्वीकार नहीं करेंगे। इस तरह जस्टिस खन्ना ने एक बेहतरीन मिसाल कायम की है। हाल में सर्वोच्च न्यायपालिका के जजों का जिस तरह का आचरण रहा है, उसे देखते हुए इस एलान का महत्त्व और भी अधिक महसूस हुआ है। हालांकि इस अप्रिय घटनाक्रम की शुरुआत कई दशक पहले हो गई थी, लेकिन हाल के वर्षों में यह एक बड़ी बीमारी बन गई। रिटायर होते ही राज्यपाल, राज्यसभा के सदस्य, आयोगों या पंचाटों के अध्यक्ष आदि जैसे पद स्वीकार करने वाले जजों की सूची लंबी होने लगी। नतीजा हुआ है कि आज अदालतें जब कोई राजनीतिक महत्त्व का फैसला देती हैं, तो सार्वजनिक चर्चाओं में संबंधित न्यायाधीशों की मंशा या उनकी आगे की गणना की चर्चा होने लगती है। इस तरह न्यायिक निर्णयों की पवित्रता प्रभावित हुई है। उसका असर न्यायपालिका की साख पर पड़ा है। कभी सार्वजनिक दायरे में ये बहस उठी थी कि जजों और ऊंचे पदों पर आसीन नौकरशाहों को रिटायरमेंट के बाद अगला कोई पद स्वीकार करने के पहले कुछ वर्षों का एक कूलिंग पीरियड होना चाहिए। मगर व्यवहार में इसके विपरीत रुझान आगे बढ़ा और आज वो चर्चा बेमायने मालूम पड़ती है। मगर वो जन आकांक्षाएं खत्म नहीं हुई हैं। बल्कि सिर्फ कार्यपालिका, नौकरशाही और विधायिका से जुड़ी शख्सियतों को लेकर समाज में व्यग्रता बढ़ी है और धीरे-धीरे न्यायपालिका उसके दायरे में आ गई है। इससे पूरी राज्य-व्यवस्था की साख प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई है। इस पृष्ठभूमि में जस्टिस खन्ना की घोषणा ताजा हवा के झोंके की तरह आई है। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उनका छोटा कार्यकाल भी एक बेहतर अहसास छोड़ गया है। उनके अनेक पूर्ववर्तियों के कार्यकाल में जिस तरह के विवाद उठे, जस्टिस खन्ना का कार्यकाल उनसे मुक्त रहा। उन्होंने कमोबेश उन अपेक्षाओं को पूरा किया, जो एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायपालिका प्रमुख से होती है। आशा है, उनके उत्तराधिकारी ऐसी ही विरासतों का अनुकरण करेंगे और न्यायपालिका की गरिमा को बहाल करने में सहायक बनेंगे।

जीईएम-सार्वजनिक खरीद को आकर्षक बनाने का सार्थक प्रयास

पीयूष गोयल

सार्वजनिक खरीद के लिए पारदर्शी, समावेशी एवं कुशल मंच प्रदान करने के एक अग्रणी उपाय के रूप में, गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पूरी दुनिया में तेजी से उभरा है। यह प्लेटफॉर्म 1.6 लाख से अधिक सरकारी खरीदारों को 23 लाख विक्रेताओं एवं सेवा प्रदाताओं से जोड़ता है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण का एक प्रमुख वाहक बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस परिवर्तनकारी डिजिटल पहल को शुरू किए जाने के बाद से नौ वर्षों के दौरान, जीईएम ने भ्रष्टाचार को खत्म करके और स्टार्टअप, एमएसएमई, महिलाओं एवं छोटे शहरों के व्यवसायों को व्यावसायिक अवसर प्रदान करके सरकार द्वारा वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। उपयोगकर्ताओं के अनुकूल माना जाने वाला यह प्लेटफॉर्म एक ऐसा सच्चा रत्न है, जिसने कुख्यात आपूर्ति एवं निपटान महानिदेशालय (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सप्लाइज एंड डिस्पोजल्स) की जगह ले ली है। इस महानिदेशालय की अपारदर्शी और गैर-प्रतिस्पर्धी प्रणालियां कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों को अनुचित लाभ प्रदान करती थीं। इसलिए यह उचित ही है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का नया कार्यालय, वाणिज्य भवन, उस भूमि पर बनाया गया है जिस पर कभी यह पुराना निकाय स्थित था। शानदार प्रगति ङ्क वर्ष 2016 में स्थापना के बाद से, जीईएम पोर्टल पर 13.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर का लेन-देन किया गया है। वर्ष 2024-25 के दौरान, इस प्लेटफ़ॉर्म पर सार्वजनिक खरीद बढ़कर रिकॉर्ड 5.43 लाख करोड़ रुपये की हो गई। जीईएम का लक्ष्य वर्तमान वित्त वर्ष में अपने वार्षिक कारोबार को बढ़ाकर 7 लाख करोड़ रुपये करना है। जीईएम निस्संदेह सार्वजनिक खरीद से जुड़े परिदृश्य में एक असाधारण तकनीकी उपाय के रूप में उभरा है। कारोबार के आकार की दृष्टि से, जीईएम निकट भविष्य में दुनिया का सबसे बड़ा सार्वजनिक खरीद पोर्टल बन जाएगा और दक्षिण कोरिया के कोनेप्स जैसी सुप्रतिष्ठित संस्थाओं को पीछे छोड़ देगा। जीईएम ने ईमानदारी से व्यावसाय करने प्रतिष्ठानों को व्यापक अवसर प्रदान किए हैं, नौकरियां सृजित की हैं और भारत के आर्थिक विकास को प्रोत्साहित किया है। इस संदर्भ में, जीईएम का महत्व वित्तीय दृष्टि से इसकी अभूतपूर्व प्रगति से कहीं बढ़कर है जो अपने आप में ई-कॉमर्स से जुड़ी किसी भी बड़ी कंपनी को हैरान कर देने के लिए काफी है। न्यायसंगत विकास का वाहक - जीईएम प्रधानमंत्री मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' मिशन के अनुरूप न्यायसंगत विकास के एक महत्वपूर्ण वाहक के रूप में कार्य करता है। यह स्टार्टअप, छोटे व्यवसायों और महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को बिना किसी बिचौलियों के सरकारी खरीदारों के सामने अपने उत्पादों एवं सेवाओं को प्रदर्शित करने का एक आसान रास्ता प्रदान करता है। प्रवेश की सभी बाधाओं को दूर करके, यह प्लेटफॉर्म छोटे घरेलू व्यवसायों को ई-टेंडर में भाग लेने और अपने व्यवसाय का विस्तार करने का अधिकार देता है। समावेशिता के सिद्धांत से प्रेरित, जीईएम ने छोटे व्यवसायों के विकास को समर्थन देने के उद्देश्य से विभिन्न रणनीतिक पहलों का समावेश किया है। इनमें सरकारी खरीदारों को सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) और महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों द्वारा पेश किए जाने वाले उत्पादों एवं सेवाओं की पहचान करने तथा उनका चयन करने में मदद करने वाली प्रणालियां शामिल हैं।

अनिवार्य है, कृतघ्न तुर्किए को कठोर संदेश देना

डॉ. आशीष वशिष्ठ

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 निर्दोष हिन्दू पर्यटकों की नृशंस हत्या के उत्तर में शुरू ऑपरेशन सिंदूर पाक समर्थित आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार बन गया। चार दिल चले ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की सारी हेकड़ी निकल गई, और वो सीजफायर की भिक्षा मांगने लगा। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर अवश्य हो गया है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बीच तुर्की खासा सुर्खियों में रहा और उसका पाकिस्तान प्रेम खुलकर सामने आ गया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन, तुर्किए और अजरबैजान का वास्तविक चेहरा अखिल विश्व के समक्ष अनावृत हो गया। पाकिस्तान ने इस दौरान भारत पर जो ड्रोन और मिसाइल दागे वो 'मेड इन' चाइना और तुर्किए में बने थे। पाकिस्तान ने जो चीन की निकृष्ट मिसाइल और तुर्किए के ड्रोन भारत पर हमले में प्रयोग किये, उनके अवशेष सैन्य बलों के पास हैं। चीन और तुर्किए अब इन प्रमाणों को नकार नहीं सकता है।

सीजफायर के बाद पाकिस्तान के मित्र तुर्किए के विरुद्ध भारत में विरोध शुरू हो गया है और सोशल प्लेटफार्म पर बॉयकाट तुर्की मुहिम जोर पकड़ने लगी है। भारतीय टूरिस्ट तुर्किये और अजरबैजान का बॉयकॉट कर रहे हैं। मोदी सरकार ने भी तुर्की को सबक सिखाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिये हैं। लेकिन जिस तरह देशवासियों ने स्वत: तुर्की और अजरबैजान का बॉयकॉट करने की मुहिम छेड़ी है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वो कम है। भारतीय नागरिकों के इस भाव का प्रभाव तुर्किए के अरबों डॉलर के व्यापार पर पड़ने वाला है।

तुर्किये 'एहसान फरामोशी' का सबसे कलंकित उदाहरण हो सकता है। जब फरवरी, 2023 में तुर्किए में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, लगभग चालीस हजार लोग मारे गए थे, इमारतें 'मिट्टी-मलबा' हो गई थीं, तब भारत ने मदद का पहला हाथ बढ़ाया था। भारत ने भूकंप के अलावा भी तुर्किये की कई बार सहायता की है, लेकिन जब मौका आया तो उसने कृतघ्नता ही दिखाई और भारत के शत्रु के पक्ष में खड़ा हो गया। 2009 में तुर्किये ने पहली नैनो सैटेलाइट आईटीयूपीसेट-1 बनाई, जिसे स्पेस में नई टेक्नोलॉजी पर रिसर्च करना, पृथ्वी की तस्वीरें लेना और आंकड़ा एकत्र करने के लिए भेजा जाना था। इस लॉन्च में भारत ने तुर्किये की मदद की थी। इस सबके उपरांत तुर्किये सदैव पाकिस्तान का समर्थन करता रहा है।

तुर्किये ने 2019 में भारत के धारा 370 हटाने का भी विरोध किया था। इसके बाद से लगातार तुर्किये यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली यानी यूएनजीए में कश्मीर का मुद्दा उठाता आया है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 6-7 मई की रात भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया, तो तुर्किये खुलकर पाकिस्तान के साथ दिखा। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि तुर्किये ने पाकिस्तान को करीब 350 ड्रोन और उन्हें चलाने के लिए ऑपरेटर भेजे। 4 मई को तुर्किये ने नौसेना का युद्धपोत टीसीजी बुयुकडा (एफ-512) पूरे बेड़े के साथ पाकिस्तान के कराची पोर्ट पर भेज दिया। तुर्किए ने पाकिस्तान के पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच की अनुशंसा का भी समर्थन किया। 10 मई को सीजफायर के बाद शहबाज शरीफ ने एर्दोगन को मदद करने के लिए शुक्रिया अदा किया।

तुर्किए के पाकिस्तान का साथ देने के बाद भारतीय पर्यटकों ने धड़ाधड़ तुर्की की यात्राएं कैंसिल करवानी शुरू कर दी है। भारतीय पर्यटकों को आज की तारीख में सिर्फ एक आम ट्रैवलर मानना बहुत बड़ी गलती है। क्योंकि ग्लोबल टूरिज्म इंडस्ट्री के लिए भारतीय पर्यटक एक आर्थिक स्तंभ बन चुके हैं। साल 2023 में भारतीय पर्यटकों ने दुनिया के अलग अलग हिस्सों में घूमने में 18 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च किए। ऐसे में अगर भारतीय पर्यटक किसी देश का बहिष्कार करते हैं तो वो सिर्फ एक सोशल मीडिया पर चलाया गया ट्रेंड नहीं होता है, बल्कि एक भूकंप होता है।

पिछले साल जनवरी में मालदीव के कुछ मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी के लक्षद्वीप दौरे के दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। जिसके बाद भारत और मालदीव के बीच विवाद काफी बढ़ गया। भारतीय पर्यटकों ने मालदीव का बहिष्कार शुरू कर दिया, जिसने कुछ ही समय में मालदीव के नेताओं को घुटने टेकने के लिए विवश कर दिया। मालदीव की अर्थव्यवस्था, जिसमें टूरिज्म सेक्टर का 28 प्रतिशत योगदान है, उसे गहरा धक्का लगा था, लिहाजा अब बारी तुर्की की है।

पिछले कुछ सालों में भारी संख्या में भारतीय पर्यटकों ने घुमने के लिए तुर्की को चुना है। साल 2023 में करीब 2.74 लाख भारतीय नागरिक घूमने के लिए तुर्की गये थे। जबकि 2024 में तुर्की जाने वाले भारतीय पर्यटकों का ये आंकड़ा बढ़कर करीब 3.5 लाख पहुंच गया। भारतीय लोगों के बीच शादी करने, हनीमून मनाने और फैमिली ट्रिप्स के लिए तुर्की तेजी से लोकप्रिय हो रहा था। लेकिन 2025 में तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन करके भारतीयों को अपने विरूद्ध कर लिया है। इसके अलावा भारत जैसे देशों के पर्यटकों का बहिष्कार सिर्फ आर्थिक नहीं, राजनीतिक संदेश भी होता है।

पर्यटन के अलावा भारतीय बाजारों में तुर्की से आयातित सेब की बिक्री पर भी प्रभाव पड़ा है। भारतीय कारोबारियों ने अब ईरान, अमेरिका और न्यूजीलैंड से सेब खरीदना शुरू कर दिया है। सेब उत्पादन करने वाला संघ, जो पहले से ही विदेशों से मंगाए जाने वाले सेब की वजह से नाराज रहता था और तुर्की के सेब पर प्रतिबंध लगाने की मांग करता रहता था, वो अब प्रसन्न है। इस वित्त वर्ष में तुर्की से 1 लाख 60 हजार टन सेब खरीदे गये थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत तुर्की के साथ व्यापारिक संबंध समाप्त करने की तैयारी मे। भारत तुर्की से दाल, तिलहन और स्टील जैसी चीजें खरीदता है। दोनों देशों के बीच व्यापार को 20 अरब डॉलर तक ले जाने की योजना थी। लेकिन अब बदले वातावरण में यह संबंध पूर्णत समाप्त हो सकते हैं। 15 मई केंद्र सरकार ने तुर्किये की कंपनी सेलेबी एविएशन की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी। यह दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु सहित प्रमुख भारतीय हवाई अड्डों पर हाई सिक्योरिटी ऑपरेशन संभालती है। भारत के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों ने भी तुर्की से एकेडमिक समझौते रद्द कर दिये हैं। इनमें जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी यानी जेएनयू, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, आईआईटी रुड़की, शारदा विश्वविद्यालय और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी शामिल हैं।

भारत सरकार ने व्यापार के अलावा कूटनीति के मोर्चे पर भी तुर्किये को बड़ा सबक सिखाने का मन बना लिया है। तुर्किये को सबक सिखाने के लिए भारत उसके अंदर के मुद्दों को बाहर लाएगा। तुर्किये में लगातार बढ़ रही मानवाधिकार हनन की घटनाओं को भारत यूनाइटेड नेशन्स के समक्ष रख सकता है। इसके अलावा 'साइप्रस का मुद्दा' तुर्किये की सबसे बड़ी कमजोरी बन चुका है। तुर्किए और साइप्रस के बीच की जंग दशकों पुरानी है, इसके बावजूद तुर्किये इसे समाप्त नहीं कर पा रहा। भारत इस मुद्दे के सहारे तुर्किये को सबक सिखा सकता है। येन-केन-प्रकारेण, तुर्किये ने इस्लामी देशों का 'खलीफा' बनने की भ्रांति पाल रखी है, इसलिए उसकी हेकड़ी तोड़ना अत्यावश्यक है।

तुर्किए को सबक सिखाना इसलिए भी अहम है क्योंकि अखिल विश्व को यह संदेश देना चाहिए कि भारत के शत्रु का जो भी साथ देगा, उसे भारत शत्रु की श्रेणी में ही रखेगा। व्यापार, हानि—लाभ और कूटनीति अपने स्थान पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों में कहा जाए तो हमारे दिल में 'नेशन फर्स्ट' का भाव सर्वोच्च होना चाहिए। केवल तुर्किए ही नहीं, हमें हर उस देश और व्यक्ति का बॉयकॉट करना चाहिए या हमारे भीतर शत्रु बोध होना चाहिए, जो हमारे देश के प्रति शत्रुता रखता हो, शत्रुता का भाव और विचार रखता हो और जो हमारे शत्रु से मित्रता निभाता हो।

अफ्रीका महाद्वीप में चिंताजनक स्थिति

भारत डोगरा

वर्ष 2025 के आरंभ में अफ्रीका महाद्वीप में चिंताजनक स्थिति को देखते हुए यहां शांति प्रयासों को और सशक्त करने की चर्चा थी।

अब लगभग चार महीनों के बाद हम जो स्थिति देख रहे हैं, वह चिंताओं को कम नहीं करती है अपितु और बढ़ाती ही है क्योंकि इस दौरान सबसे संवेदनशील क्षेत्रों-सोमालिया, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो तथा सूडान एवं दक्षिण सूडान के हालात तेजी से और बिगड़े हैं।

सूडान में दो वर्ष से यानी अप्रैल, 2023 से गृह युद्ध चल रहा है। इससे पहले यहां अन्य गृह युद्ध भी हो चुके हैं और सूडान से अलग होकर एक नया देश वर्ष 2011 में ही बन चुका है। अत: इस क्षेत्र में वैसे ही अमन-शांति बनाए रखने की बहुत जरूरत है पर वास्तविकता इससे विपरीत रूप में सामने आ रही है। सूडान में दो वर्षों से चल रहे गृह युद्ध में 150,000 लोग मारे गए हैं और 1 करोड़ 20 लाख लोग विस्थापित हुए हैं। तिस पर यदि आप यह याद रखें कि इनमें से बहुत से लोग पहले से अभावग्रस्त रहे हैं तो आप समझ सकते हैं कि यहां की मानवीय त्रासदी कितनी गहरी हो चुकी है। महिलाओं सहित अनेक लोगों को बहुत अत्याचार सहने पड़े हैं।

चूंकि सूडान के कुछ पड़ोसी देश स्वयं अभाव और हिंसा से त्रस्त हैं अत: बड़ा सवाल यह है कि सूडान की हिंसा से बचते हुए लोग आखिर, सुरक्षा के लिए जाएं तो जाएं कहां। इस स्थिति को दक्षिण सूडान की तेजी से बिगड़ती स्थिति ने और विकट बना दिया है। वर्ष 2011 में स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आने के बाद वर्ष 2013 में दक्षिण सूडान में गृह युद्ध आरंभ हो गया था। यह पांच वर्ष तक चला। अनुमान है कि इसमें लगभग 4 लाख लोग मारे गए और लगभग 40 लाख लोग विस्थापित हुए। वर्ष 2018 में यह देश सुलह-समझौते की ओर बढ़ा। जो समझौता हुआ, उसमें हिंसा तो थम गई पर इसका आधार मजबूत नहीं था। इस वर्ष यह कमजोर आधार भी टूटने लगा है।

जिन मुख्य नेताओं को विभिन्न अपने जातीय आधार पर सरकार में शीर्ष के स्थान दिए गए थे, उनमें आपसी मतभेद और टकराव आ गया है और डर है कि जातीय हिंसा फिर भड़क सकती है। उधर बड़े पड़ोसी देश सूडान में जो गृह युद्ध चल रहा है, उसका एक गुट भी दक्षिण सूडान में हिंसा भड़काने में लगा है। इस कारण यह खतरा बढ़ गया है कि इन दोनों देशों की हिंसा आपस में मिल कर एक और भी बड़ी मानवीय त्रासदी का रूप ले सकती है। इस हिंसा के तार कहीं न कहीं संसाधनों और भूमि को हड़पने के कुप्रयासों से जुड़ते हैं और इस होड़ में शक्तिशाली विदेशी तत्व भी जुड़े हुए हैं।

इस कारण यह संभावना बढ़ जाती है कि विभिन्न विरोधी गुटों को अलग-अलग विदेशी स्रोतों से धन मिलता रहेगा जिससे वे अधिक विध्वंसक हथियार खरीद सकेंगे और इस तरह विनाश बढ़ता रहेगा। इसी तरह यदि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो जैसे बड़े और महत्त्वपूर्ण देश को देखें तो वहां सोने और अन्य बहुमूल्य खनिजों की बहुत उपलब्धि है और इसे हड़पने के प्रयासों में लगी ताकतें हिंसक हमले करते रहती हैं। यह प्रवृत्ति तब और तेज हो जाती है जब यहां की केंद्रीय सरकार कमजोर पड़ती है। ये हमलावर तब विदेशों से तो सहायता प्राप्त करते ही हैं साथ में कई बार तो विदेशी सेना स्वयं बहुत प्रत्यक्ष रूप में हमले में नजर आती है। हाल के महीनों में खनिजों की दृष्टि से संपन्न पूर्वी क्षेत्रों में विदेश से जुड़े सैनिक तेजी से आगे बढ़े हैं। यहां ध्यान रखना जरूरी है कि हाल के दशकों में अफ्रीका का सबसे बड़ा युद्ध डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो को केंद्र में रख कर ही हुआ था जिसमें आसपास के अनेक अन्य देश भी शामिल हो गए थे। इस इतिहास को देखते हुए इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है कि यहां की स्थिति अधिक विकट न बने।

इसके अतिरिक्त इथिओपिया, लीबिया, मोजाम्बिक, सोमालिया और सेहल क्षेत्र के देशों में हाल में स्थितियां चिंताजनक रही हैं। मानवीय संकट बढ़ती भूख, विस्थापन और शरणार्थियों की समस्या के रूप में विकट हो रहा है।

भीतर के दुश्मनों के खिलाफ सख्ती-चौंकसी बढ़ानी होगी

ललित गर्ग

पाकिस्तान भारत के अनेक लालची, शानोशौकत के आकांक्षी, देशद्रोही एवं देश के दुश्मन लोगों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ प्रचार और जासूसी गतिविधियों के लिए कर रहा था। ऐसे ही कुछ देश विरोधी तत्वों का पर्दाफाश होना चौंकाता भी है एवं चिन्ता में भी डालता है। ऐसे ही तत्वों में एक नाम है ज्योति मल्होत्रा, उस पर आरोप है कि वह न केवल सोशल मीडिया पर पाकिस्तान की सकारात्मक छवि पेश कर रही थी, बल्कि उसने पाक खुफिया एजेंसी के एजेंटों से भारत से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां भी साझा कर रही थीं, जिनमें ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी गोपनीय जानकारियां भी थीं। वह एक खुफिया एजेंट के रूप में सीमा पार से चलाए जा रहे नेटवर्क का हिस्सा थी। देश की सुरक्षा एजेंसियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भारत की मिट्टी पर छिपे गद्दार कितनी भी चालाकी से छिप जाएं, वे कानून की नजरों से नहीं बच सकते। उम्मीद है कि पूछताछ में ऐसे सबूत मिल सकते हैं जो भारत के खिलाफ बड़ी साजिशों का खुलासा कर सके। 'ऑपरेशन 'सिंदूर' ने न सिर्फ सरहद पार बैठे दुश्मनों की नींद हराम कर दी है, बल्कि देश के भीतर बैठे गुप्त गद्दारों की भी कमर तोड़ दी है। हाल ही में लगातार ऐसे अनेक राष्ट्र-विरोधी जासूसों की गिरफ्तारी ने जता दिया कि भारत हर मोर्चे पर देश की सुरक्षा एवं संरक्षा के लिये प्रतिबद्ध है। ये गिरफ्तारियां अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण एवं यह भी पाक की एक करारी हार ही है।

पाक के लिए जासूसी करने के आरोप में हरियाणा के हिसार की यूट्यूबर और ट्रैवल ब्लॉगर ज्योति मल्होत्रा समेत छह लोगों की खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर की गयी गिरफ्तारी भारत की सतर्कता एवं सावधानी को तो दर्शाती ही है, इससे यह भी स्पष्ट होता है कि इस चुनौती भरे समय में भीतर के दुश्मनों की शिनाख्त एवं उनकी धडपकड़ कितनी जरूरी है। 'ट्रैवल विद जो' नाम से यू-ट्यूब चैनल चलाने वाली ज्योति पर आरोप है कि वह पाक के कई उच्च अधिकारियों के संपर्क में थी और भारत से जुड़ी गुप्त सूचनाएं पाक तक पहुंचाती थी। पता यह भी चला है कि पाक यात्रा के दौरान उसकी मुलाकात पाक उच्चायोग के एक कर्मचारी दानिश से हुई, जिसके माध्यम से उसकी पहचान आइएसआइ के एजेंटों से हुई। ज्योति इन एजेंटों के साथ व्हाट्सएप, टेलीग्राम और स्नैपचौट के जरिये संपर्क में थी। कहते हैं कि उसने एक पाक खुफिया अधिकारी के साथ गहरे संबंध बनाये और उसके साथ बाली भी गयी थी। ज्योति एवं उसके सहयोगी बेखौफ भारत की अति-संवेदनशील एवं गोपनीय सूचनाओं को पाक से साझा करते हुए देश को नुकसान पहुंचा रहे थे। ये सभी आम नागरिकों की तरह जिंदगी जी रहे थे, लेकिन इनके इरादे राष्ट्रविरोधी थे। देश की कीमत पर सारे राष्ट्र-मूल्यों एवं निष्ठाओं को ताक पर रखकर धनार्जन की लालसा और मौज-मस्ती का लक्ष्य घिनौना एवं अक्षम्य अपराध है। राष्ट्र को इन विस्फोटक विसंगतियों से बचाना होगा।

भारत विरोधी शक्तियों के हाथ में खेलकर देश को मुश्किल में डालने का यह कृत्य परेशान एवं चिन्ता में डालने वाला है। बहुत संभव है कि जासूसी कांड में लिप्त ये भारतीय बड़े आर्थिक प्रलोभनों के लालच में पाक एजेंटों के जाल में फंसे हों। लेकिन बड़ा प्रश्न है कि कैसे कुछ लोग पैसे व शानोशौकत के लालच में देश की सुरक्षा व लोगों का जीवन भी दांव पर लगा सकते हैं? देश के भीतर के ये दुश्मन बाहरी दुश्मनों से ज्यादा घातक एवं नुकसानदेय हैं। पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई से ताल्लुक रखने पर पिछले दिनों हरियाणा, पंजाब व यूपी के इन लोगों की गिरफ्तारी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। लेकिन इनकी गहन जांच से और भी गंभीर खुलासे होने की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। ये एक गंभीर चुनौती है और हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों और खुफिया संस्थाओं को अब इस चुनौती को गंभीरता से लेना होगा। इन लोगों के तार भीतर कहां-कहां जुड़े है, इसका पर्दाफाश होना ज्यादा जरूरी है। ये तत्व देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ ही सांप्रदायिक सद्भाव एवं आम-जनजीवन को भी खतरे में डाल सकते हैं।

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा की ज्योति कथित तौर पर हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक कर्मचारी के संपर्क में थी, जिसे हाल ही में भारत विरोधी गतिविधियों के लिये देश से निकाला गया। इस मामले में चल रही जांच से पता चला है कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले से पहले ज्योति कश्मीर गई और उससे पहले पाकिस्तान गई थी। एक से अधिक बार पाकिस्तान जा चुकी ज्योति पर खुफिया अधिकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कई वीडियोज ने भी खुफिया एजेंसियों का ध्यान खींचा, चाहे वह नयी दिल्ली स्थित पाक दूतावास में इफ्तार की दावत का वीडियो हो, पिछले साल हुए विश्व कप में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतिक्रिया वाला वीडियो हो या कश्मीर घूमने आये लोगों पर बनाये गये वीडियो हों। विडंबना है कि पाकिस्तान भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गलत फायदा उठा रहा है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, ज्योति को दुबई के एक कथित हैंडलर के माध्यम से भुगतान किया जाता था।

यह खुलासा केवल ज्योति तक सीमित मामला नहीं है, बल्कि इसके जरिये एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है उस पर पाक के खुफिया अधिकारियों को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप हैं। यूपी के रहने वाले शहजाद और नौमान इलाही पर भी इसी तरह के आरोप हैं। पंजाब में मालेरकोटला के दो लोगों को भी जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जांच एजेंसियों को पता लगाना होगा कि क्या इन आरोपियों की सैन्य या रक्षा अभियानों से संबंधित जानकारी तक सीधी पहुंच थी या वे इसे उच्च पदस्थ स्रोतों से प्राप्त कर रहे थे? इन बातों का खुलासा होना सुरक्षा एवं सैन्य गोपनीयता की दृष्टि से ज्यादा जरूरी है। गिरफ्तार सभी अपराधियों को गंभीर पूछताछ के बाद कठोर सजा मिलनी चाहिए। दुश्मन चाहे देश के अंदर हो या बाहर उनके प्रति मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति निरंतर सख्ती के साथ कार्यरत रहनी ही चाहिए। सरकार और खुफिया एजेंसियां अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय संदिग्ध तत्वों की निगरानी और जांच को और तेज करने की दिशा में स्वाभाविक ही काम कर रही है। सरकार ने इन गिरफ्तारियों के बाद स्पष्ट संदेश दिया है कि राष्ट्र की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर के तहत अब तक देशभर में दर्जनों संदिग्धों को निगरानी में लिया गया है और जांच तेज़ है।

किचन के गंदे टॉवल को करना है साफ

तो इन आसान ट्रिक्स की लें मदद

शायद ही कोई ऐसा घर हो, जहां हाथ और सामान साफ करने के लिए किचन में कपड़े का इस्तेमाल न किया जाता हो। कुछ लोग इसके लिए पुराने कपड़ों का इस्तेमाल करते हैं तो कुछ लोग किचन टॉवल खरीदते हैं। कई दिनों तक इस्तेमाल होने के चलते ये बहुत गंदा, चिकना और कड़क हो जाता है, जिसे धोने के बावजूद भी ये आसानी से साफ नहीं होता है। ऐसे में कुछ आसान घरेलू तरीकों की मदद से आप किचन के कपड़े को मिनटों में क्लीन कर सकते हैं।

डिटर्जेंट से करें साफ:
किचन के गंदे तौलिये को साफ़ करने के लिए आप हार्ड डिटर्जेंट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए टॉवल को डिटर्जेंट के घोल में कुछ देर के लिए भिगो कर रखें। फिर रगड़ कर इसको साफ करें और फिर साफ पानी से धोकर धूप में सुखा लें। मिनटों में आपका किचन टॉवल क्लीन हो जाएगा।

गर्म पानी से करें साफ़:
गर्म पानी का इस्तेमाल भी गंदे और चिकने किचन टॉवल को क्लीन करने के लिए किया जा सकता है। इसके लिए गर्म पानी करके इसमें थोड़ा सा लिक्विड डिटर्जेंट डालें। फिर दस-पंद्रह मिनट के लिए टॉवल को इसमें भिगो दें। अब साफ़ पानी से टॉवल को क्लीन कर लें। टॉवल को साफ़ करने के लिए ये तरीका हफ्ते में दो बार दोहराएं।

स्टेन क्लीनर का करें इस्तेमाल:
रसोई के कपड़े को क्लीन और जर्म्स फ्री बनाने के लिए स्टेन क्लीनर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए कपड़े को स्टेन क्लीनर में भिगो कर कुछ देर रखें फिर 15 मिनट के बाद कपड़े को साफ पानी से धो लें।

लिक्विड ब्लीच करें यूज:
किचन टॉवल को साफ़ और जर्म्स फ्री बनाने के लिए ब्लीच का यूज भी किया जा सकता है। इसके लिए लिक्विड ब्लीच लेकर इसमें सोडियम बाइकार्बोनेट मिला लें और किचन टॉवल को इसमें भिगो दें। कुछ देर के बाद साफ़ पानी से धोने पर ये एकदम नये जैसा हो जायेगा।

कास्टिक सोडा की मदद लें:
अगर आपके किचन का कपड़ा बहुत ज्यादा चिकना और कड़क हो गया है, तो इसको क्लीन करने के लिए आप कास्टिक सोडा की मदद ले सकते हैं। इसके लिए पानी में आधा एक चम्मच कास्टिक सोडा मिलाएं और इसमें किचन टॉवल को भिगो कर दस मिनट के लिए छोड़ दें। फिर रगड़ कर इसको साफ करें और पानी से धो लें। इससे किचन टॉवल क्लीन और स्मैल फ्री बन जायेगा।

बच्चे की नहीं बढ़ रही हाइट?

बच्चों के कद को बढ़ाने वाले व्यायाम

हर माता पिता चाहते हैं कि उनके बच्चों की हाइट अच्छी हो और वे दिखने में लंबे चौड़े बनें। हालांकि बच्चों की पर्सनैलिटी उनके कद से नहीं, उनके व्यवहार और उनके ज्ञान से नापी जाती है, लेकिन अगर आपको यह लगता है कि बच्चे अपनी उम्र के हिसाब से कम बढ़ रहे हैं या उनकी ग्रोथ रुक गई है तो आप कुछ एक्सरसाइज की मदद से ग्रोथ बढ़ाने में मदद ले सकते हैं। यहां हम आपको बताते हैं कि किन एक्सरसाइज की मदद से अपने बच्चों के ग्रोथ को बेहतर कर सकते हैं और उनके कद को बढ़ा सकते हैं।

स्वीमिंग
बच्चों के कद को बढ़ाने में स्वीमिंग काफी मदद कर सकता है। दरअसल स्वीमिंग एक ऐसी गतिविधि है जिसमें शरीर के हर अंग और टीश्यू स्टीमुलेट होते हैं और शरीर में लचीलापन और मजबूती आती है। जिससे नेचुरल तरीके से हाइट बढ़ने में मदद मिल सकती है।

लटकना
कहीं पर लंबे समय तक लटकना कद को बढ़ाने के लिए बेस्ट एक्सरसाइज माना जाता है। यह हाथ और शरीर के अपर पार्ट को स्ट्रेच करने में मदद करता है। ऐसा करने से बॉडी को टोन करने और शेप में रखने में भी मदद मिलती है।

पैर के अंगूठों को छूना
टो टचिंग भी बच्चों के लिए एक अच्छा व्यायाम है। यह कमर, थाई और पैरों के मसल्स को मजबूत बनाते हैं जिसका असर उनके विकास पर पड़ता है। अगर कम उम्र में ही बच्चों को ये व्यायाम कराया जाए तो इससे कद में भी बढ़ोतरी हो सकती है।

कोब्रा पोज
बच्चों को फर्श या मैट पर पेट के बल लेटाएं और दोनों हाथों की मदद से आगे के शरीर को उठाने बोलें। इस पोज में कुछ देर होल्ड करने दें और फिर रिलैक्स करें। ऐसा करने से बॉडी मसल्स में खिंचाव आता है जो बढ़ते शरीर की ग्रोथ तेज करने में मदद कर सकते हैं।

मेकअप एक्सेसरीज की सफाई भी है बहुत जरूरी

फेस पाउडर की सफाई ऐसे करें:
फेस पाउडर का इस्तेमाल लगातार करते रहने से ये अनहाइजेनिक हो जाता है। ऐसे में इसको क्लीन करने के लिए थोड़ा से सैनिटाइजर को पैलेट्स पर स्प्रे करें। फिर कॉटन बॉल की मदद से पैलेट्स को साफ कर लें। फिर कुछ देर इसमें हवा लगने दें जिससे ये अच्छी तरीके से ड्राई हो सके।

मेकअप पेंसिल को ऐसे करें क्लीन:
मेकअप में लिपस्टिक पेंसिल, आइब्रो पेंसिल, काजल और आई लाइनर पेंसिल का इस्तेमाल भी खूब होता है। इसको साफ़ करने के लिए आप एक गिलास में अल्कोहल ले लें। फिर सभी पेंसिल और साथ में शार्पनर को भी इसमें डिप करके दो मिनट छोड़ दें। फिर इसे कॉटन पैड से क्लीन करके कुछ देर सूखने के लिए रख दें।

ऐसे सैनेटाइज करें लिक्विड फाउंडेशन
लिक्विड फाउंडेशन को क्लीन करना भी बहुत जरूरी है। इसके लिए स्पंज के टुकड़े या कॉटन पैड को अल्कोहल या सैनिटाइजर में भिगो लें। फिर इससे लिक्विड फाउंडेशन की बॉटल और इसकी नोजल को अच्छे से क्लीन कर लें। साथ ही चाहें तो पूरी मेकअप किट को भी क्लीन कर लें। इससे भी हाइजीन मेंटेन रहता है।

लिपस्टिक को क्लीन करने का तरीका
लिपस्टिक की सफाई के लिए आप आइसोप्रोपिल अल्कोहल की मदद ले सकते हैं। इसके लिए आइसोप्रोपिल अल्कोहल को किसी स्प्रे बॉटल में डालकर लिपस्टिक पर स्प्रे करें। फिर कॉटन पैड का इस्तेमाल करते हुए हल्के हाथों से लिपस्टिक को पोंछ लें। इससे आप स्किन के साइड इफेक्ट्स से बचे रहेंगे।

मेकअप ब्रश और ब्लेंडर को क्लीन करने के टिप्स:
लगातार इस्तेमाल करने की वजह से मेकअप ब्रश और ब्लेंडर भी काफी गंदे हो जाते हैं। इनको क्लीन करने के लिए एक गिलास में अल्कोहल लें। अब ब्रश और ब्लेंडर को इसमें कुछ देर भिगो दें। फिर हल्का सा रब करते हुए रगड़ कर साफ करें।

जीवन के लिए पानी बेहद जरूरी है। पानी के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। गर्मियों में शरीर को हाईड्रेट रखना जरूरी है। पानी की ज्यादा कमी होने पर डिहाइड्रेशन जैसी समस्या का सामना करना पड़ता है। वेबएमडी में छपी एक खबर के मुताबिक, डिहाइड्रेशन, गर्मियों में होने वाली एक आम समस्या है। डिहाइड्रेशन के कारण लूज मोशन, उल्टी और डायरिया तक हो जाता है। डिहाइड्रेशन होने पर शरीर कई तरह के संकेत देता है। आइए आज हम आपको बताते हैं कि शरीर में पानी की कमी होने पर क्या लक्षण दिखते हैं।

बार-बार लगती है प्यास, अचानक बढ़ गई है भूख?

शरीर में इस चीज की हो सकती है कमी

भूख-प्यास का बढ़ना:
अगर आपकी भी अचानक भूख प्यास बढ़ गई है तो यह शरीर मे पानी की कमी के लक्षण हो सकते हैं। डिहाइड्रेशन होने पर एक पानी पीने के बावजूद बार-बार प्यास लगती है। इसके अलावा भूख भी बढ़ जाती है। अचानक भूख का बढ़ना और लगातार प्यास लगना बॉडी में पानी की कमी का संकेत है।

थकान लगना:
शरीर में पानी की कमी होने पर थकान महसूस होने लगती है। पानी की कमी होने पर थकान, सिर में दर्द, लो ब्लड प्रेशर घबराहट और ज्यादा नींद आने लगती है। यह दिहाइड्रेशन के संकेत हैं। इस स्थिति में भरपूर मात्रा में पानी पीना चाहिए।

मुंह से दुर्गंध आना:
शरीर में पानी कम होने पर मुंह से दुर्गंध आने लगती है। इस स्थिति में मुंह और गले में सूखापन आ जाता है, जिसके कारण सांस लेने में भी समस्या हो सकती है।

स्किन पर ड्राइनेस:
बॉडी में पानी की कमी होने से स्किन में ड्राई होने लगती है। इसके कारण त्वचा पर खुजली, रैशेज और होंठों पर पपड़ियां जम जाती हैं। अगर यह समस्या होती है तो भरपूर मात्रा में पानी पिएं।

यूरिन से संबंधी समस्या:
पानी की कमी होने पर यूरिन का रंग गाढ़ा या पीला हो जाता है। डिहाइड्रेशन होने पर यूरिन की मात्रा भी कम हो जाती है। इससे जलन की समस्या भी आती है।

एक महीने तक चावल नहीं खाने से शरीर पर क्या होगा असर?

कैलोरी कम होने से वजन कंट्रोल
इंडियन एक्सप्रेस की खबर में श्रीबालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट की चीफ न्यूट्रिशनिस्ट प्रिया भ्रमा ने बताया कि अगर आप एक महीने तक चावल नहीं खाते हैं तो शरीर में कैलोरी की मात्रा कम जाएगी, इससे मुख्य रूप से वजन कम हो सकता है। चूंकि चावल में कार्बोहाइड्रैट की मात्रा ज्यादा होती है, इसलिए जब हम चावल नहीं खाएंगे तो यह हमारे शरीर में नहीं जाएगा। जाहिर है इससे ब्लड शुगर लेवल स्थिर हो जाएगा।

शुगर अचानक नहीं बढ़ेगा
अगर आप चावल की तरह कोई और अनाज खाएंगे जिसमें कार्बोहाइड्रैट ज्यादा हो तो इससे वजन कम नहीं होगा। रिया देसाई ने बताया कि जहां तक ब्लड शुगर कम होने की बात है तो अगर हम चावल नहीं खाएंगे तो खाने के बाद जो ब्लड शुगर अचानक बढ़ता है वो नहीं बढ़ेगा। हालांकि ऐसा भी तब तक होगा जब तक आप चावल नहीं खाएंगे। लेकिन जैसे ही एक महीने बाद आप चावल खाना शुरू करेंगे तो फिर से ब्लड शुगर उसी तरह का हो जाएगा।

चावल छोड़ना सही हल नहीं
इन सब बातों के मद्देनजर यह जानना जरूरी है कि अगर हम चावल खाते हैं तो हमें कितनी मात्रा में चावल खाना चाहिए और कब खाना चाहिए। अगर आप एक कटोरा चावल सही तरीके से खाएंगे तो इससे शरीर को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। दूसरी ओर अगर हम चावल नहीं खाएंगे तो हमारे शरीर में फाइबर की मात्रा भी कम बनेगी। इससे हमारी पाचन की प्रक्रिया में बदलाव आएगा। वहीं जहां तक पोषक तत्व की बात है तो चावल में कार्बोहाइड्रैट की मात्रा ज्यादा होती है। इसके अलावा विटामिन बी और मिनिरल्स भी होते है। इसलिए इसका असर हर इंसान पर अलग-अलग होता है। तो क्या हम एक महीने तक चावल न खाएं तो हमारी सेहत सुधर सकती है। न्यूट्रिशनिस्ट प्रिया भ्रमा बताती है कि ऐसा बिल्कुल नहीं है।

संतुलित मात्रा में खाना जरूरी
प्रिया भ्रमा ने बताया कि एक महीने तक चावल छोड़ देना समस्या का हल नहीं है बल्कि चावल को सीमित करना ज्यादा जरूरी है। कार्बोहाइड्रैट को सीमित करने के लिए चावल को डाइट से हटाना व्यक्ति का निजी फैसला हो सकता है लेकिन इसके बजाय कार्बोहाइड्रैट को सही तरीके से प्रबंधित करना ज्यादा जरूरी है। इसके लिए जरूरी है कि आप संतुलित आहार लें।

गुड़-चने के साथ करें दिन की शुरुआत

5 बड़ी बीमारियों का होगा नाश, हार्ट रहेगा हेल्दी

हर कोई सुबह कुछ ऐसा खाना पसंद करता है जो सेहत के लिए फायदेमंद हो और पोषक तत्वों से भरपूर हो। इसके लिए लोग कई तरह की चीजों को डाइट में शामिल करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी गुड़ और चने का सेवन किया है? बता दें कि, सेहत को सटीक और बेहतर रखने के लिए ये सबसे अच्छा ऑप्शन है। क्योंकि चना कैल्शियम और फाइबर से भरपूर होते हैं, वहीं, गुड़ आयरन और पोटैशियम जैसे तत्वों का अच्छा स्रोत माना जाता है। एक्सपर्ट के मुताबिक, इन दोनों चीजों का नियमित सेवन करने से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। आइए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज के डाइटिशियन रोहित यादव से जानते हैं चना-गुड़ खाने के चमत्कारी लाभ।

हड्डियों को बनाए स्टॉन्ग:
शरीर की हड्डियों को भी मजबूत बनाने के लिए गुड़ और चने का सेवन अधिक असरदार माना जाता है। बता दें कि चना में पाया जाने वाला कैल्शियम हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है। यदि आप इन दोनों का नियमित सेवन करते हैं हड्डियों के साथ अन्य भी हेल्दी रहते हैं।

हार्ट को रखे हेल्दी:
चना और गुड़ हार्ट को हेल्दी रखने में मददगार होते हैं। दोनों में पाए जाने वाले पोषक तत्व हार्ट से जुड़ी बीमारियों का जोखिम कम करता है। एक्सपर्ट भी इसको खाने की सलाह देते हैं।

वजन कम करे:
शरीर के बढ़ते वजन को कम करने के लिए चना और गुड़ बेहद असरदार माने जाते हैं। यदि आप वजन कम करना चाहते हैं तो एक्सपर्ट इन दोनों को सुबह-सुबह खाने की सलाह देते हैं।

पाचन शक्ति बढ़ाए:
चना और गुड़ पाचन शक्ति को दुरुस्त रखने में मदद करता है। बता दें कि, इन दोनों चीजों को खाने से पेट को रिलेक्स मिलता है। एक्सपर्ट इन दोनों चीजों को बराबर की मात्रा में खाने की सलाह देते हैं।

खून की कमी सुधारे:
कई परेशानियों के चलते शरीर में खून की कमी होने लगती है। ऐसे में आप चना का सेवन कर सकते हैं। बता दें कि, गुड़ और चना दोनों में ही आयरन पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है, जो शरीर की इस कमी को दूर करता है।

खाना-खजाना

पनीर टिक्का

पनीर एक ऐसी सामग्री है जिससे आप कई तरह के व्यंजन बनाकर घरवालों से लेकर मेहमानों तक को इंप्रेस कर सकते हैं. इसके अलावा पार्टी हो या फेस्टिवल पनीर से बनने वाले पकवान की लिस्ट लंबी है.ये एक ऐसी डिश है जिससे आपको स्वाद मिल ही जाता है. ऐसे में आज हम आपको अमृतसरी पनीर टिक्का की रेसिपी बताने जा रहे हैं जो काफी टेस्टी और हेल्दी होता है. आने वाले वीकेंड पर आप सटार्टर के तौर पर इस रेसिपी को जरूर ट्राई करें.

बनाने के लिए सामग्री
- पनीर के बड़े चौकोर टुकड़े 20 से 25
- भुना बेसन आधा कप
- अदरक लहसुन पेस्ट 1 टेबलस्पून
- अजवाइन 1/4 टी स्पून
- लाल मिर्च पाउडर 1 टी स्पून
- चाट मसाला 1/2 टी स्पून
- तेल जरूरत के मुताबिक
- नमक स्वादानुसार

बनाने की विधि
- अमृतसरी पनीर टिक्का बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को चौकोर टुकड़े में काट लें.
- इसके बाद बेसन को कड़ाही में डालकर हल्का भून लें.
- अब एक मिक्सिंग बाउल में भुना हुआ बेसन, अजवाइन, लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला डालें
- इसमें अदरक लहसुन का पेस्ट, दो चम्मच तेल और स्वाद अनुसार नमक डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर दें.
- इसके बाद इसमें दो चम्मच पानी मिलाकर इसे अच्छी तरह से पेस्ट बना लें
- जब गाढ़ा मिश्रण तैयार हो जाए तो इसमें पनीर के टुकड़े डालकर उनमें तैयार पेस्ट अच्छे से लपेटकर मैरिनेट होने के लिए छोड़ दें.
- इस दौरान एक कड़ाही में तेल गर्म करें. जब तेल गरम हो जाए तो मैरिनेटेड पनीर के टुकड़े डालकर उन्हें डीप फ्राई करें.
- पनीर के टुकड़ों को पलट पलट कर गोल्डन फ्राई होने तक तलें.
- इसी तरह सारे मैरिनेटेड पनीर पीसेज को डीप फ्राई कर लें, इन्हें प्लेट में निकाल लें
- इसे हरी चटनी के साथ खुद भी खाएं और मेहमानों को भी खिलाएं.

घूमने के लिए लोकप्रिय स्थानों में से एक गोवा

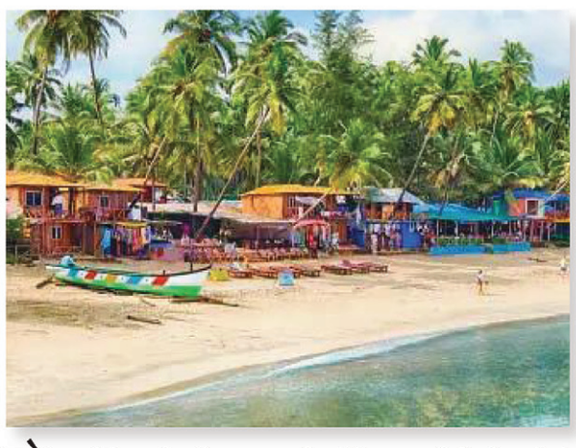

गोवा अपने फेमस बीच और सुन्दर समुद्री तटों के साथ उठती गिरती लहरों को देखने के लिए देश विदेश के पर्यटकों के लिए खास जगह है, गोवा घूमने के लिए भारत देश के सबसे लोकप्रिय स्थानों में से एक है, जो अपने आकर्षक समुद्र तटों के लिए दुनिया के नक्से में खुद के लिए एक खास जगह बना चुका है। गोवा में कुछ सर्वश्रेष्ठ समुद्र तट (बीच) भी मौजूद हैं। लोगों को गोवा आने का अलग ही इंटरेस्ट होता है बीच के साथ धूप, रेत और सर्फिंग की इस जगह में मस्ती करना हर जनरेशन के व्यक्ति को पसंद है। आप भी अपनी गोवा की यात्रा के दौरान, गोवा राज्य के उत्तर से दक्षिण तक यहां के अविश्वसनीय समुद्र तटों और बीच का आनंद ले सकते हैं। भारत के 'सनशाइन स्टेट' गोवा लंबे से हॉलिडे मनाने या हनीमून के लिए एक परफेक्ट डेस्टिनेशन है। 105 किमी के खूबसूरत समुद्र तट और अंतहीन समुद्री किनारे के साथ, गोवा एक आइडियल हॉलिडे डेस्टिनेशन है। यहां का शांत और सुरम्य वातावरण सभी को आकर्षित करता है, और वास्तव में, आपको गोवा में छुट्टियाँ मानाने से पहले यह प्लान करना होगा कि आप किस बीच पर घूमने जाएं, ताकि आप गोवा का कोई भी अच्छा बीच मिस न करें। इस आर्टिकल में हम आपको गोवा में घूमने के दौरान किस समुद्र तट पर जाएं इसकी जानकारी दे रहें हैं।

गोवा में घूमने के लिए कैंडोलिम और कलंगूट बीच:
कलंगूट बीच को 'समुद्र तटों की रानी' और गोवा के सबसे समुद्र तटों में के रूप में जाना जाता है। ब्रिटिश पर्यटकों के लंबी छुट्टियां बिताने के लिए सबसे लोकप्रिय समुद्र तटों में कैंडोलिम और कलंगूट बीच मशहूर हैं। यहां के रिसॉर्ट्स में बहुत ही अनुकूल वातावरण है, और यहां पर स्वादिष्ट गोआ करी पर्यटकों की फेवरेट है। कलंगूट बीच अपनी सुनहरी झिलमिलाती रेत के लिए प्रसिद्ध है और उत्तरी गोवा का सबसे बड़ा समुद्र तट है। यह गोवा में जाने के लिए सबसे अच्छे पर्यटन स्थलों में से एक है। यह समुद्र तट नरम रेत के साथ थोड़ा चौड़ा है लेकिन समुद्र की लहरें यहां काफी तेज होती हैं। इसके अलावा आप यहां, पैरासेलिंग और वाटर-स्कूटर राइड्स जैसी कुछ बेहतरीन वॉटर स्पोर्ट्स भी कर सकते हैं।

हनीमून के लिए गोवा सिंक्वेरियम बीच की सेर:
उत्तरी गोवा के कम भीड़ वाले समुद्र तटों में से एक, सिंक्वेरियम बीच में सफेद रेत है और यह प्रसिद्ध अगुआदा किले के बहुत करीब है। इसके आसपास के कई शानदार होटल हैं, अगर आप किसी विशेष अवसर का जश्न को मनाना चाहते हैं तो यहां कई लग्जरी पैकेज उपलब्ध हैं। इसके अलावा सिंक्वेरियम बीच, फन एंड बीच पार्टी के लिए एक आकर्षक बीच है। इस बीच में ही कई सारे डेकोरेशन हैं, जैसे की रेत के कर्व्स, इसके अलावा पाम ट्रीज आदि इस बीच को एक परफेक्ट हॉलिडे डेस्टिनेशन बनाते है।

बागा बीच गोवा में हॉलिडे मनाये:
मोरजिम के थोड़ा आगे दक्षिण दिशा स्तिथ बागा बीच एक पूरी तरह से अलग माहौल का अनुभव कराता है। यह गोवा के सबसे फेमस बीच में से एक है यहां आपको एकदम शांत माहौल और प्यारा वातावरण देखने को मिलेगा और इसके साथ-साथ कैफे, और सुनहरे रंग की रेत में एन्जॉय करने का अवसर भी मिलेगा। आप यहां फैमली के साथ वाटेर्स्पोर्ट्स गतिविधियों का मजा ले सकते है जैसे की जेट स्की, स्पीड बोट, बनाना राइड आदि।

मोरजिम बीच गोवा में पसंदीदा स्थल
पणजी के उत्तर में मोरजिम बीच स्थित है, यह समुद्र तट तेजी से पर्यटको में लोकप्रिय हो रहा है। मोरजिम बीच बर्ड वॉचिंग और यहां के लुप्तप्राय ओलिव रिडले कछुए के घोंसले का घर है। यदि आप ओलिव रिडले कछुओं के संरक्षण में इंटरेस्टेड हैं तो आप इससे भी ज्यादा एकांत गलजिबाग बीच पर भी जा सकते हैं। गोवा के मोरजिम बीच में आप समुद्री रेत में मस्ती भी कर सकते हैं। छोटी-छोटी लकड़ी और बांस की झोपड़ियां इसे एक आकर्षक पर्यटन स्पॉट बनाते हैं और गोवा में मोरजिम बीच विदेशियों का पसंदीदा स्थल है।

कलेक्टर लंगेह द्वारा शासकीय बाल सम्प्रेक्षण गृह, किशोर न्याय बोर्ड एवं बाल कल्याण समिति का संयुक्त निरीक्षण किया

महासमुन्द (समय दर्शन)। कलेक्टर विनय लंगेह एवं संयुक्त टीम ने शासकीय बाल सम्प्रेक्षण गृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के पश्चात बैठक आहुत किया गया। जिसमें आशुतोष सिंह, पुलिस अधीक्षक , सुश्री तान्या ब्रम्हे, प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड ,श्रीमती निरांजना शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता,श्रीमती सुनीता देवांगन, सामाजिक कार्यकर्ता , समीर पाण्डेय, जिला कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. पी. कुदेशिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं खेमराज चौधरी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी मौजूद थे।

टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान संस्था में स्थापित कैमरे का बेकअप अवलोकन किया गया। जिसमें कम समय अवधि का स्टोरेज पाया गया। 01 माह का स्टोरेज क्षमता बढ़ाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही चिन्हांकित जगहो पर ऑडियों, विडियो वाला कैमरा स्थापित करने हेतु निर्देशित किया गया।

समीक्षा के दौरान संस्था में नव प्रवेशित बालकों का प्रवेश के समय ही तलाशी लेते हुए अग्रिम कार्यवाही किया जावे तथा बालकों से परिवार द्वारा मुलाकात के दौरान कोई भी सामग्री न लिया जाये और नशे से संबंधित सामग्री का संस्था में प्रवेश न हो सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ड्रग निरीक्षक के द्वारा नियमित रूप से दवाई की दुकानों में नशा संबंधी दवाईयों की बिक्री पर रोक लगाने एवं सी.सी.टी.व्ही. कैमरा स्थापित कराने व पंजीयो का संधारण किया जाए। जिला अंतर्गत ऐसे जगह जहाँ पर नशा की सामग्री मिलने की संभावना हो वैसे स्थानों पर टीम गठित करते हुए नियमित रेकी एवं निरीक्षण की कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। जिला अंतर्गत ग्राम पंचायतों में आयोजित ग्राम सभाओं में नशामुक्ति का व्यापक प्रचार प्रसार करने एवं नशामुक्ति संबंधी एजेण्डा पर विषयवस्तु रखने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में जानकारी दी गई कि किशोर न्याय बोर्ड एवं बाल कल्याण समिति हेतु बोर खनन का कार्य किया गया था।

संक्षिप्त-खबर

आज 13 वार्डों के लिए वार्ड-20 कुशाभाऊ ठाकरे भवन में लगेगा समाधान शिविर

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत सुशासन तिहार 2025 के तृतीय चरण के लिए समाधान शिविर का आयोजन 5 से 27 मई तक समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। इसके अंतर्गत 23 मई को वार्ड-क्रमांक 20 कुशाभाऊ ठाकरे भवन आदित्य नगर में लगाने वाला शिविर स्थल में सभी व्यवस्था के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने आवश्यक व्यवस्था के लिए निर्देश दिए और कहा कि टेबल-कुर्सी, शामियाना इत्यादि की व्यवस्था करने कहा है। सुशासन तिहार 2025 सुशासन, पारदर्शिता, संवाद और समाधान की नई पहल,नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 20 दिनांक 23 मई दिन शुक्रवार को कुशाभाउ ठाकरे भवन में वार्ड:-क्रमांक 12,13,14,15,16,17,18,19,20,21,22,57 एवं 58 के लिए सुशासन तिहार समाधान शिविर लगाया जाएगा के वार्डो के नागरिक शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्यों का समाधान व आवेदन कर सकते है।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर ग्राम कनाकोट मे

पाटन (समय दर्शन)। महिमा हॉस्पिटल उतई एवं शाश्वत डायग्नोस्टिक सेंटर उतई के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनांक 22 मई 2025 को पंचायत भवन ग्राम कनाकोट मे नि:शुल्क परामर्श एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया था इस स्वास्थ्य शिविर में 34 मरीज ने स्वास्थ्य लाभ लिया सभी मरीजों का बीपी सुगर स्कैनिंग कर उचित परामर्श दिया गया। इस शिविर में डॉ आकाश साहू, ललित कुमार साहू , अनिकेत ताम्रकार,जया कुंजाम, रीना चंद्राकर ,चिम्मन ठाकुर श्री मति चेतना साहू, राधेश्याम साहू, सरपंच श्रीमती चमेली देशलहरे एवं अन्य ग्रामवासी उपस्थित थे।

बागबाहरा परिक्षेत्र के ग्राम तमोरा से अवैध अतिक्रमण हटाया गया

बागबाहरा(समय दर्शन)। सामान्य वनमंडल, महासमुन्द ने बताया कि वनमण्डल अंतर्गत बागबाहरा परिक्षेत्र के ढोड़ परिसर के कक्ष क्रमांक 95 व 96 में ग्राम तमोरा के निवासी बैसाखूराम वल्द बैलाराम खैरवार, हिरउ वल्द बोधराम, खेलकुंवर वल्द हिरउराम ध्रुव, रमेश ध्रुव वल्द फूलसिंग ध्रुव एवं अन्य 50 व्यक्तियों द्वारा वन क्षेत्र में रकबा लगभग 100 हेक्टेयर वन भूमि में अतिक्रमण के उद्देश्य से कचरा, सूखे पत्ते की सफाई एवं घांस निंदाई कर मेड़ बनाकर कुछ सालों से खेती किया जा रहा था।

उक्त व्यक्तियों द्वारा वर्ष 2019-20 में भी अतिक्रमण का प्रयास किया गया था। वर्ष 2019-20 में अतिक्रमणकारियों से वनक्षेत्र को मुक्त कराया गया था। अतिक्रमणकारियों द्वारा पुन: अतिक्रमण किया गया, जिसके लिये पी.ओ.आर. क्रमांक 14403/23, 24, 25 दिनांक 22.01.2025 जारी कर अतिक्रमणकारियों के विरूद्ध वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया। परिक्षेत्र अधिकारी बागबाहरा द्वारा अतिक्रमणकारियों को समझाईश देकर वन क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने हेतु प्रयास किया गया। अतिक्रमणकारियों द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाने पर 21मई 2025 को पुलिस बल एवं वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा कक्ष क्रमांक 95 एवं 96 से अतिक्रमणकारियों को हटाया गया है।

सिंध यूथ युवा समिति द्वारा एक देश, एक चुनाव संगोष्ठी का आयोजन

मुंगेली(समय दर्शन)। सिंध यूथ युवा समिति, मुंगेली के तत्वावधान में झूलेलाल धाम में एक देश, एक चुनाव विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मुंगेली के लोकप्रिय विधायक एवं पूर्व मंत्री पुन्नूलाल मोहले जी रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव देश में चुनावी सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे प्रशासनिक सुगमता सुनिश्चित होगी और भारत एक सशक्त, समृद्ध राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित होगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष दीनानाथ केसरवानी ने भी इस पहल का समर्थन करते हुए कहा कि बार-बार चुनावों के कारण विकास कार्य प्रभावित होते हैं। ऐसे में एक देश, एक चुनाव व्यवस्था हर दृष्टिकोण से उचित है और सभी को इसे सकारात्मक रूप से अपनाना चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक सुनील पाठक ने कहा कि इस पहल से प्रशासनिक लाचारियाँ दूर होंगी और शासन प्रणाली अधिक सुदृढ़ होगी। उन्होंने उपस्थित जनों से अपील की कि सभी को मिलकर एक राष्ट्र, एक चुनाव के समर्थन में एकमत होना चाहिए। इस दौरान सभी उपस्थितों ने हाथ उठाकर इस संकल्प का समर्थन किया। कार्यक्रम में सिंध युवा समिति के संरक्षक मोहन भोजवानी, पूर्व विधायक विक्रम मोहले, जिलापंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय, उपाध्यक्ष शांति देवचरण भास्कर, नगरपालिका उपाध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा, पूर्व भाजपा अध्यक्ष शैलेश पाठक, लोरमी जनपद की अध्यक्ष वर्षा सिंह, संयोजक रवि शर्मा, हरिशंकर वर्मा, मंडल अध्यक्ष राजीव श्रीवास, जिलापंचायत सदस्य प्रतिनिधि उदय जायसवाल, अनुराग सिंह, रामसरन यादव, राजेश्वर टंडन, कलीम बागड़ी, उत्तम साहू, जीवन पटेल, धनराज सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ग्राम नंदिनी खुंदिनी मे बह रही है विकास की गंगा

होमन सिंह ठाकुर

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। न्यू आदर्श युवा संगठन एवं ग्राम पंचायत नंदिनी खुंदिनी तहसील अहिवारा जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ के तत्वाधान मे माननीय राजमहंत डोमंन लाल कोर्सेवाडा विधायक अहिवारा से गॉव के अनेको समस्या को लेकर उनके सामने रखने पर उन समस्याओं को निराकरण कर आज गॉव मे नहर नाली , सतनाम मंच का निर्माण , समतलीकरण , शमशान घाट रोड से हरदी रोड तक सी सी रोड स्मीमेटीकरण , तलाब मे सेट निर्माण , करोडो के कार्य से आज ग्राम नंदिनी खुंदिनी विकास की गंगा बह रही हैं और 18:50 लाख रुपये की लागत से बडे स्तर पर शमशान घाट के पुल पुलिया का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो चूका है किसी ने सोचा भी नही था जो की आज न्यू आदर्श युवा संगठन / ग्राम पंचायत नंदिनी खुंदिनी के तत्वाधान मे इतना बड़ा एतिहासिक कार्य होगा(लेकिन माननीय राजमहंत डोंमन लाल कोर्सेवाडा विधायक अहिवारा जी के द्वारा गॉव मे आज विकास की गंगा बह रही है न्यू आदर्श युवा संगठन / ग्राम पंचायत नंदिनी खुंदिनी श्री मति खूशबु यादव (सरपंच) , श्री मति मंजू पाटिल (जनपद सद्स्य) श्री वामन साहु (पुर्व सरपंच) ,श्री प्रेम लाल देशलहरे (पुर्व जनपद सद्स्य) , श्री घनश्याम यादव (भूतपूर्व सरपंच एवं संरक्षक) , श्री लंकेश नाहटा (उप सरपंच) , श्री देवऋषि घिदोडे (अध्यक्ष) , डॉ मनिष देशलहरे (उपाध्यक्ष) , श्री जसपाल जांगडे ,श्री तारण दास घिदोडे (पंच) , खिलावन निषाद (पुर्वपंच) श्री शंकर मार्कंडे, महेशवर पाल , संजय देशलहरे , चितेश महिलांग , समीर जांगडे , भोला घिदोडे , श्री भोलू घिदोडे ,श्री सौरभ गायकवाड ,श्री राजेश जाँगडे , श्री हर्ष वर्धन घिदोडे , श्री प्यारे दास बंजारे आदि ने माननीय राजमहंत डोमंन लाल कोर्सेवाड़ा विधायक अहिवारा जी को धन्यवाद दिये।

अवैध अतिक्रमण पर चला शासन प्रशासन का बुलडोजर

शासकीय भूमि पर अवैध रूप से निर्माण किये गये मकानों को जेसीबी से किया गया ध्वस्त

बसना(समय दर्शन) । बसना मे शासन प्रशासन के उच्च अधिकारियों के दिशा निर्देश पर तहसीलदार बसना के द्वारा ग्राम पंचायत अरेकेल अंतर्गत अवैध रूप से निर्माण कर निवासरत मकानों को ध्वस्त करने की कार्रवाई की गयी।

प्राप्त जानकारी अनुसार न्यायालय के राजस्व प्रकरण क्रं 20240610900003 अ/68 वर्ष 2023/24 पक्षकार छ ग शासन विरुद्ध जुबेदा पति मोहम्मद रसीद , मोहम्मद ताज , सिराज खान पिता सुलेमान खान, सल्लू खान पिता सिराज खान, कुंती पति जनक राम , आशाराम टंडन,मो. सलीम खान, अलेख व निरंजन पिता जनकराम सभी निवासी ग्राम पंचायत अरेकेल प ह नं 35 तहसील बसना जिला महासमुन्द में पारित आदेश दिनांक 09/05/25 के अनुसार छ ग राजस्व भू संहिता 1959 की धारा 2480(1) के अन्तर्गत ग्राम अरेकेल शासकीय मद की भूमि में अनावेदक जुबेदा पिता मो रसीद द्वारा रकबा 794/3 1000 वर्गफीट ,मो ताज द्वारा रकबा 794/3 1000वर्गफीट सिराज खान द्वारा खसरा नं 794/3 700 वर्गफीट, सल्लू खान पिता सिराज खान द्वारा खसरा नं 794/3 800 वर्गफीट, कुंती पिता जनक राम द्वारा खसरा नं 790/6 500 वर्गफीट,आशाराम सतनामी द्वारा खसरा नं 790/6 400 वर्गफीट मो सलीम खान द्वारा खसरा नं 796/2 का रकबा 1800 वर्गफीट,अलेख व निरंजन पिता जनकराम द्वारा ख नं 790/6,796/2 का रकबा 4000 वर्गफीट भूमि पर अतिक्रमण कर मकान निर्माण किया गया है। अनावेदक गण द्वारा उक्त भूमि पर मकान निर्माण कर अतिक्रमण करना सिध्द होता है। जिसके संबंध में तहसीलदार के द्वारा 09/05/25 को 07 दिवस के भीतर हटाने का आदेश जारी किया गया था परंतु अनावेदकों के द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाया गया। उसके पश्चात् 21/05/25 अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रारंभ की गई।

बता दें कि, विगत कई वर्षों से शासकीय भूमि पर मकान निर्माण कर निवासरत लोगों को चिंता हुई कि हमारे आशियाना टूट जायेगा? हम कहां जायेंगे?

इस संबंध में चौहान सेना के प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती चातुरी नंद विधायक सरायपाली को पीड़ित लोगों के द्वारा सूचित किया गया। विधायक चातुरी नंद ने पीड़ितों के पक्ष में अपनी बातों को मजबूती के साथ रखते हुए शासन प्रशासन के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। एस डी एम, तहसीलदार और विधायक चातुरी नंद के बीच काफी बहस हुई और उस दिन शासन के द्वारा जेसीबी से तोड़ने की कार्रवाई को स्थगित करना पड़ा। विधायक के तेवर देखते हुए शासन प्रशासन के द्वारा भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।

उल्लेखनीय है कि अलेख चौहान पिता जनकराम जाति गांड़ा के पास 05 डिसमिल जमीन का पट्टा है, लेकिन उक्त खसरा नंबर की भूमि दूसरे स्थान की भूमि का है। अतिक्रमणकारियों के द्वारा मकान बना कर निवास कर रहे भूमि शासकीय मद की भूमि पुराने राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार पानी के नीचे तालाब की भूमि है।

जिस पर शासन के नियमानुसार किसी भी प्रकार से मकान निर्माण नहीं किया जा सकता।

जनकराम पिता दासो निवासी अरेकेल प ह नं 35 खसरा नंबर 789 रकबा 0.02 हेक्टेयर भूमि स्वामी हक की भूमि दर्ज है और 12/12/2013 को तहसीलदार के द्वारा ऋण पुस्तिका जारी किया गया है। लेकिन उक्त भूमि पर दूसरे व्यक्ति के द्वारा कब्जा कर मकान निर्माण किया गया है जिसे तहसीलदार के द्वारा नोटिस जारी कर खाली कराकर पीड़ित व्यक्ति को कब्जा दिलाया जाना चाहिये। भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 129 के तहत् सीमांकन किया जाना चाहिये, ताकि पीड़ित व्यक्ति को उसका अधिकार मिल सके।

शासन के नियमानुसार उच्चाधिकारियों के निर्देश पर अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई की जा रही है। अवैध कब्जा हटाये जाने की कार्रवाई जारी रही।

ममतासिंह ठाकुर तहसीलदार
बसना

गाँव की बेटी ने की पीएचडी क्षेत्र मे खुशी का माहौल

बसना(समय दर्शन)। बसना अंचल के अंतर्गत ग्राम कलमीदादर (तोमील) से आदिवासी गोंड समाज बेटी ने आदिवासी संस्कृति पर शोध कर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की।

आपको बता दें नेपाल सिदार रिटायर कर्मचारी होने के साथ साथ समाज के विकास के लिए अनेक आदिवासी समाज संगठन से मिलकर आदिवासी संस्कृति पर कार्य किए हैं।

उसी से प्रेरित होकर उनकी बेटी कल्पना सिदार ने स्नातक उत्तीर्ण कर अपना लक्ष्य आदिवासी संस्कृति रहन सहन पर शोध किया। इस शोध कार्य के लिए डॉ आर के पांडेय विभाध्यक्ष हिंदी संत गुरू घासीदास शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरूद जिला धमतरी का निर्देशन व मार्गदर्शन रहा है। बुधवार को उन्होंने अपने शोध विषय संजीव एवं रणेन्द्र के उपन्यासों में आदिवासी विमर्श किया गया ।

कल्पना सिदार ने पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर कला संकाय के अंतर्गत हिंदी विषय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी उपाधि हेतू शोध प्रबंध का प्रस्तुतीकरण की । कल्पना सिदार की इस उपलब्धि पर आदिवासी समाज के अजाक्स के ब्लॉक अध्यक्ष अमृत लाल , क्षेत्रो सिदार पुर्व अध्यक्ष फुलझर राज, उत्तर कुमार सिदार, सर्कल अध्यक्ष गणेश सिदार, गोंड समाज युवा प्रभाग अध्यक्ष नरेश पोर्ते, मीडिया प्रभारी राजेंद्र सिदार, गोंडवाना गोंड महासभा जिला अध्यक्ष जगदीश सिदार, छत्तीसगढ़ गोंडवाना संघ जिला अध्यक्ष दीपक जगत, कैलाश नेताम आदिवासी विकास परिषद,मनोज सिदार युवा प्रभाग सर्व आदिवासी समाज, विनोद सिदार, रामलाल सिदार,शुभ सिंह जगत, गोकुल पारेश्वर सभी समाज के लोगों ने हर्ष जताया और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

सेलीब्रेटिंग इंडिया प्रोग्राम में बाल आर्टिस्ट कु.माही साहू चुनीं गईं राष्ट्रीय विजेता

कु.माही साहू ने छीसगढ के पारंपरिक लोककला गोदना को पेंटिंग में प्रदर्शित कर राष्ट्रीय स्तर पर रही चर्चित

नृपनिधी पाण्डेय

सरायपाली (समय दर्शन)। भारतीय सांस्कृतिक निधि (इंटैक),नई दिल्ली की विरासत शिक्षा और संचार सेवा प्रभाग की प्रधान निदेशिका पूर्णिमा दत्त के कुशल निर्देशन में आयोजित अखिल भारतीय रंगारंग भारत पोस्टर मेकिंग एवं लेख लेखन प्रतियोगिता 2025 में इंटैक सरायपाली अध्याय अंतर्गत संयोजक यशवंत कुमार चौधरी के नेतृत्व में एकलव्य इंग्लिश मीडियम स्कूल अर्जुंडा,वि.खं.-सरायपाली,जिला महासमुन्द में अध्ययनरत छात्रा कु. माही साहू ने प्रतिभागिता किया ।

इन्होंने छत्तीसगढ राज्य की विशिष्ट विरासत,छत्तीसगढ़ की पारंपरिक स्थानीय लोककला-संस्कृति - सभ्यता की चिन्हारी गोदना को प्रदर्शित करते हुए गोदना का रंगीन,आकर्षक चित्र उकेरकर अपने उत्कृष्ट ड्रॉइंग/पेंटिंग कला- कौशल का प्रदर्शन किया वहीं इसके बारे में इससे संबंधित सारगर्भित लेख भी लिखा है जो राष्ट्रीय स्तर पर काफ़ी चर्चित रहा। इंटैक सरायपाली अध्याय संयोजक यशवंत कुमार चौधरी ने बताया कि देशभर के 80 अध्यायों से कक्षा सातवीं, आठवीं, नवमी पढ़ने वाले 9000 स्कूली विद्यार्थियों ने इस विशिष्ट प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और अपनी पेंटिंग व लेख की प्रविष्टियाँ हिन्दी,अंग्रेज़ी के साथ प्रमुख क्षेत्रीय भाषाओं में भेजीं जिसे इंटैक केन्द्रीय मुख्यालय नई दिल्ली की ज्यूरी द्वारा मूल्यांकन पश्चात् विभिन्न कसौटियों पर कसते हुए 11 राष्ट्रीय विजेता एवं 79 क्षेत्रीय विजेताओं के नामों की घोषणा की गई है जिसमें ग्राम खरखरी निवासी कुलमणि साहू व गिनिता साहू की सुपुत्री कु. माही साहू को राष्ट्रीय विजेता के रुप में चयनित किया गया है। छत्तीसगढ़ से एकमात्र प्रतिभागी माही साहू ने राष्ट्रीय विजेता के रुप में अपना स्थान बनाया है। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत की अल्पज्ञात अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों को उजागर करने हेतू पहल करने के लिए प्रोत्साहित करना रहा है।

कु.माही साहू को राष्ट्रीय विजेता बनने पर इंटैक सरायपाली अध्याय के संयोजक, सहसंयोजक,इंटैक के लाईफ मेंबर्स एवं शिक्षा विभाग से जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे,सहायक संचालक शिक्षा एम.जी.एम.सतीश नायर एवं नंदकिशोर सिन्हा,सहायक क्रीड़ा अधिकारी अंजली बरमाल,डीएमसी समग्र शिक्षा रेखराज शर्मा,बीईओ सरायपाली प्रकाशचंद्र मांझी,एबीईओ डी.एन.दीवान, बीआरसीसी सतीश स्वरुप पटेल, संकुल नोडल प्राचार्य, स्कूल के डायरेक्टर,प्राचार्य राजेन्द्र नायक, संकुल समन्वयक,इंटैक के अध्याय संयोजक यशवंत कुमार चौधरी,आर्ट टीचर श्रुति सामल सहित स्कूल स्टॉफप्रबंधन एवं परिजनों, सामाजिक जनों,इष्टमित्रों, सहपाठियों आदि ने छात्रा की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

खबर-खास

समर कैंप में निखरी बच्चों की प्रतिभा, नगर पंचायत अध्यक्ष निक्की भाले ने बढ़ाया बच्चों का उत्साह, समर कैंप का समापन

पाटन (समय दर्शन)। पीएम श्री शासकीय प्राथमिक शाला एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अखरा,पाटन में समर कैम्प का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों की विविध ज्ञानवर्धक विषयों के अलावा अभिरुचि से संबंधित कलाकृति सीखने का मौका मिला। समर कैंप के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले शामिल हुआ।

इस कैम्प में 10 दिनों तक बच्चों के द्वारा बांस और मिट्टी से बनाए खिलोने के कलाकृति को देखा जो बहुत ही सहरनीय हैं व बच्चों द्वारा योगासन का भी प्रस्तुति दिया गया। इस दौरान भाजपा पाटन मंडल अध्यक्ष रानी बंछोर ,सभापति,पार्षदगण शिक्षक शिक्षकाएं सहित पालकगण उपस्थित थे।

मातृ शक्तियों के सुहाग के सम्मान में नगर पंचायत पाटन द्वारा निकाली गई सिंदूर यात्रा

पाटन। भारतीय सेना के शौर्य एवं साहस से सफल हुए ऑपरेशन सिंदूर पर सेना के जवानों के सम्मान और उत्साहवर्धन हेतु तिरंगा यात्रा निकाली गई थी।

इसी परिपेक्ष्य में आज 21/05/02025 को नगर पंचायत पाटन के द्वारा मातृ स्वरूपा माताओं ,बहनों के सिंदूर की रक्षा, सम्मान के लिए आज सिंदूर यात्रा निकली गई, जिसमें नगर पंचायत पाटन अध्यक्ष योगेश निक्की भाले , नगर पंचायत सीएमओ श्री हेमंत वर्मा, इंजीनियर श्री अर्जुन कुमार निर्मलकर , सभापति केवल देवांगन ,पाटन मंडल अध्यक्ष श्रीमति रानी बंछोर, पार्षद श्रीमति अन्नपूर्णा पटेल, पार्षद श्रीमति संगीता धुरंधर, रीना भाले, सुषमा देवांगन, सेजल भाले, दामिनी देवांगन , केशव बंछोर, अखिलेश मिश्रा, शरद वर्मा ,चिरंजीव देवांगन नगर पंचायत पाटन के सभी कर्मचारी गण एवं पाटन नगरवासी उपस्थित थे।

चैंबर ने रेलवे की लेट-लतीफी को लेकर सौपा ज्ञापन

कोरबा। कोरबा सजिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी ने कोरबा रेलवे ए आर एम कार्यालय पहुंचकर कोरबा में चल रही ट्रेनों के आए दिन लेट-लतीफ से जनता को हो रही परेशानी से अवगत कराते हुए रेलवे ए आर एम कोरबा को ज्ञापन में बताया गया है कि रेलवे द्वारा कोरबा में सबसे अधिक राजस्व प्राप्त करने के बावजूद कोरबा की जनता को रेलवे सुविधाओं में लगातार कटौती तथा जो भी ट्रेनें चलाई जा रही है वह भी लेट-लतीफ के चलते आम जनता समय से गंतव्य पर नहीं पहुंच पाने का दर्द झेल रही है ,जो रेलवे के लिए शुभ का संकेत नहीं है। रेलवे की उपेक्षा के कारण आम जनता त्रस्त होकर आंदोलन की ओर अग्रसर हो रहे हैं इसलिए चेंबर ऑफ कॉमर्स कोरबा रेलवे अधिकारियों से निवेदन करती है कि वह जल्द से जल्द जो ट्रेन किसी न किसी कारण से नहीं चल रही है या कुछ ट्रेनें चलाई जा रही है वह भी लगातार विलंब से इसमें तत्काल सुधार किया जाए।

पहले एफआईआर में देरी फिर जांच में लापरवाही

किसी का दबाव या यह आदत है पुलिस की

बिलासपुर (समय दर्शन)। पूरा मामला पुराना बस स्टैंड क्षेत्र के मुख्य मार्ग का है। फरियादी गिरीश पांडे के घर पर चोरी हुई 7 जनवरी 2024 घटना दिन ही उन्होंने लिखित आवेदन संबंधित थाना तारबहार में दिया। 11 जनवरी को एफआईआर दर्ज हुई। अज्ञात चोरों के खिलाफ जैसी परंपरा है। ऐसे मामलों में जिसका नुकसान होता है जानकारियां जिसे जांच कहां जाता है वही एकत्र करता है। लिहाजा गिरीश पांडे ने यहां वहां के सीसीटीवी खंगाले उनका कहना है कि पूरा मामला राजा होटल के सीसीटीवी कैमरे में कैद मिला। वे बताते हैं कि कैमरे में श्याम कश्यप, शिशिर कश्यप को मकान से सामान उठाकर ले जाते हुए और सड़क पर फेंकते हुए देखा गया।

आवेदक ने चार-पांच गवाह भी ढूंढ़ डाले पर पुलिस ने केवल दो गवाहों का बयान लिया घटना दिनांक से लगभग 12 महीने बाद दिनांक 21 दिसंबर 2024 को तारबहार टी आई ने गिरीश पांडे को एक पत्र

जारी किया और कहा कि घटना संबंध में साक्ष्य, सबूत, कैमरा फुटेज हो तो पेश करो। पत्र में यह भी कहा गया कि गवाह नवीन पटेल और विनय सिंह के कथन जिसमें 7 जनवरी की सुबह श्याम कश्यप, शिरीष कश्यप एवं तीन-चार अन्य लोग के घुसने का कथन है। स्पष्ट समझ में आता है कि आवेदक ने घटना के चश्मदीद गवाह प्रस्तुत किए हैं और राजा होटल के सीसी टीवी कैमरे में घटना रिकॉर्ड होने की बात कही है। डिजिटल साक्ष्य कैमरे की रिकॉर्डिंग समय पर प्राप्त करना पुलिस की जिम्मेदारी थी। जिस श्याम कश्यप नाम के व्यक्ति को गवाहों ने समान उठाते फेंकते देखा वो एक राजनीतिक दल से जुड़ा हुआ बताया जाता है। पूर्व में निगम चुनाव भी लड़ चुका है। ऐसे में पुलिस की जांच का ढीलापन रवैया संदेह पैदा करता है की यह जानबूझकर किया गया।

गिरीश पांडे ने एफआईआर दर्ज करने के बाद बिलासपुर पुलिस अधीक्षक, और आईजी जोन के पास भी लिखित गुहार लगाई। जिस तरह जांच हुई है पूरा मामला इस और जाता दिख रहा है कि पहले कैमरे की रिकॉर्डिंग खत्म होने दो और फिर गवाहों को दबाव में लाओ और अंत में शिकायतकर्ता पर ही संदेह पैदा करो।

ठेले वालों के पेट पर नहीं, आम नागरिकों का सस्ता खाना छीना प्रशासन ने

बिलासपुर (समय दर्शन)। व्यवस्थित यातायात के नाम पर निगम प्रशासन हमारा सस्ता नास्ता और खाना गायब कर रहा है। 20 तारीख को पूरे शहर के ठेला व्यवसायी हड़ताल पर रहे कारण निगम प्रशासन ने उनके द्वारा लगाए जा रहे खेलों को 18 तारीख से पुण: बंद करा दिया। पहले दृष्टि में यह अच्छा लगता है पर गहनता से समझे जीएसटी की मार के बीच सड़क किनारे सस्ती दर पर गुपचुप, दोसा, पराठा, पूरी सब्जी, छोले भटूरे, चाऊमीन, मंचूरियन, भेल आदि केवल कोचिंग जोन वाले छात्र-छात्राएं ही नहीं खाते, खाने वालों में एम आर, एस आर, और हमारे पत्रकार बंधु भी शामिल हैं।

निजी अनुभव टटोले आपने कॉफी हाउस या मौसी जी जैसे रेस्टोरेंट में ?100 से ?150 का दोसा या उत्तपम कब खाया। और कितनी बार ?20 की चार पीस इडली खा कर नाश्ते का काम लिया। सुबह 9:00 बजे तक सड़क किनारे लगने वाले ठेलों पर 10-10 मिनट गुर्जरीये माह ?10000 पाने, सालाना 12000 की मोटी रकम देकर पढ़ने वाले विधार्थी ?20 का इडली, ?30 का दोसा खाकर कोचिंग जाता है। इसी तरह 15 लाख की एसयूवी में घूमने वाला भी ?10 के चार-पांच गुपचुप खाने रुकता है। क्योंकि राजीव प्लाजा या मौसा जी की दुकान के भीतर ?70 की पांच गुपचुप खाना वह उचित नहीं मानता पर निगम प्रशासन को इस सब से क्या फर्क पड़ता। उसने फरमान दे दिया।

शहर के किसी भी स्थान पर ठेले नहीं लगेंगे। ठेले हटाने का प्रभाव केवल चार्ट नाश्ते पर नहीं फ्ल व्यवसाय पर भी पड़ेगा। जब फ्ल व्यवसाय या गुपचुप व्यवसायी ?50000 महीने का किराया देकर धंधा करेगा तो वह ?10 में 4 से 5 नहीं एक गुपचुप भी नहीं दे सकता। वैकल्पिक सामग्री दिए बगैर उपलब्ध सामग्री छीन लेना इस सरकार की पुरानी आदत है।

एक उदाहरण मात्र से यह सिद्ध होता है। मेड इन चाइना मोबाइल जो 10000 से काम के थे को बाजार के भीतर बंद कराया पर विकल्प नहीं दिया और लाखों नागरिक परेशान हुए।

प्रधानमंत्री आवास योजना में पैसे मांगने की प्राप्त शिकायत पर मेट और रोजगार सहायक हटाये गए, सोरिदखुर्द के सरपंच को नोटिस

गरियाबंद (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण अंतर्गत ग्राम पंचायत सोरिदखुर्द में आवास प्लस 2.0 सर्वे में अवैध रूप से वसूली किये जाने संबंधी सोशल मीडिया के खबर पर जांच कर कार्यवाही किया गया है।इस संबंध में वित्तीय अनियमितता में संलिप्त रोजगार सहायक कमलेश्वरी सिन्हा एवं मेट अमित कुमार निर्मलकर को हटा दिया गया है।साथ ही ग्राम पंचायत सोरिदखुर्द के सरपंच चन्द्रहास बरिहा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर बी.एस.उइके ने आवास योजना में वसूली के संबंध में प्राप्त शिकायत पर गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेते हुए मामले की त्वरित जांच के निर्देश दिये थे। साथ ही मामला सही पाये जाने पर संबंधितों पर कड़ी कार्यवाही भी करने के निर्देश दिये थे।इसी तारतम्य में मामले की जांच कर रोजगार सहायक एवं मेट को हटाने की कार्यवाही की गई है।साथ ही सरपंच को नोटिस दिया गया है।इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत छुरा द्वारा आदेश जारी किये गये है।इस संबंध में सीईओ छुरा सतीश चन्द्रवंशी ने बताया कि 15 मई 2025 को ग्राम पंचायत सोरिदखुर्द में शिकायतकर्ता एवं ग्रामीणों के बीच शिकायत जाँच किया गया,जिसमें रोजगार सहायक एवं मेट को वित्तीय अनियमिता,मिली-भगत कर राशि की वसूली एवं लापरवाही करने का दोषी पाया गया।

जांच में पाया गया कि सर्वे हितग्राही ओमप्रकाश सिन्हा एवं विजय ध्रुव से आवास सर्वे के लिए सौ-सौ रूपये दस्तावेज एवं ऑनलाईन फोटोकापी के नाम पर मांगा गया।मेट अमित कुमार निर्मलकर उर्फराजू द्वारा लगभग 80 सर्वे हितग्राही का सर्वे किया गया है। उपस्थित ग्रामवासियों द्वारा मौखिक रूप से इनके द्वारा आवास सर्वे के नाम से राशि मांग किया जाना बताया गया।उक्त मामला सही पाये जाने पर रोजगार सहायक एवं मेट को हटाने की कार्यवाही की गई है।

आगामी मानसून में प्राकृतिक आपदा से बचाव एवं राहत व्यवस्था करने के संबंध में निर्देश जारी

गरियाबंद (समय दर्शन)। भारत सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा आगामी मानसून को देखते हुए बाढ़, अतिवृष्टि आदि से बचने हेतु सावधानी के तौर पर सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए है। कलेक्टर बी.एस.उइके ने सभी विभागीय अधिकारियों को बाढ़ आपदा आदि से बचाव की पहले से तैयारी रखने के निर्देश दिए है।साथ ही शासन द्वारा जारी निर्देशानुसार सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। भारत सरकार से जारी निर्देशानुसार जिला अधिकारियों की बैठक आहूत कर आपदा प्रबंधन हेतु तैयार एक्शन प्लान पर सभी तथ्यों को यथा समय दुरूस्त करने कहा गया है। साथ ही समस्त वर्षा मापक केन्द्रों पर स्थापित वर्षा मापक यंत्रों का उचित संधारण एवं जानकारी संकलित करने हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश जारी करने कहा गया है। जिन तहसीलों में वर्षामापी यंत्र नही लगाये गये है, वहाँ वर्षामापी यंत्र तत्काल स्थापित करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित कर दूरभाष नंबर राहत आयुक्त कार्यालय को देना सुनिश्चित करने एवं उक्त कन्ट्रोल रूम 1 जून से 24 घंटा क्रियाशील रखने एवं कन्ट्रोल रूम की जानकारी आम नागरिकों को भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए है।पहुंचविहीन क्षेत्रों में जहां बाढ़ की स्थिति में पहुंचना संभव नहीं होगा वहां पर्याप्त मात्रा में खाद्य सामग्री,नमक, केरोसीन,जीवन रक्षक दवाईयां आदि नियमानुसार संग्रहित करने एवं उपलब्धता सुनिश्चित करने कहा गया है।पेयजल की शुद्धता एवं स्वच्छता को दृष्टिगत रखते हुए कुंओं, हैण्डपम्पों सहित अन्य स्थलों के लिए ब्लीचिंग पावडर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए है। ऐसे क्षेत्रों की पहचान करने जहां प्रतिवर्ष बाढ़ आती है, इन क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने की विशेष व्यवस्था करने एवं ऐसे क्षेत्र के लोगों को आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने व उनको ठहराने के लिए कैम्प आदि की सम्पूर्ण योजना तैयार करने कहा गया है। बाढ़ से बचाव संबंधी जो भी उपकरण जिलों में उपलब्ध हो उनकी दुरूस्ती आदि कराकर तुरन्त उपयोग हेतु तैयार रखने, मोटर बोट्स की जानकारी शीघ्र राहत आयुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराने कहा गया है।जिससे मांग आने पर बोट्स तथा प्रशिक्षित जवानों को तुरन्त रवाना किया जा सके।

नगरीय क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति प्राय: नाले व नालियों के अवरूद्ध हो जाने के कारण होती है अत:नगरीय निकायों द्वारा शहर के तमाम नालियों की सफाई निरंतर करने के निर्देश दिए है। शहरों के भीतर बाढ़ वाले क्षेत्रों में पोर्टेबल डायविंग पंपों की स्थापना करने के निर्देश दिए गए है।

युक्त युक्तिकरण के विरोध में 28 मई को मंत्रालय घेराव

23 शैक्षिक संगठनों ने मिलकर सरकार को दिया आंदोलन का अल्टीमेटम

कोरबा (समय दर्शन)। एक हफ्ते में युक्तिकरण रद्द करने सहित सभी समस्याओं का समाधान नहीं होने पर प्रदेशभर में होगा आंदोलन का आगाज। 23 संगठनों के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रतिनिधियो सहित सैकड़ो शिक्षक पहुंचे संचनालय/मंत्रालय ..... विसंगति पूर्ण युक्तिकरण के विरोध में प्रदेशभर में उबाल। शिक्षक नेताओं की दो टूक. युक्तिकरण रद्द नहीं तो होगा अब तक का सबसे बड़ा आंदोलन। विसंगतिपूर्ण युक्त युक्तिकरण का पुरजोर विरोध एवं सोना साहू के तर्ज पर प्रदेश के एक लाख से अधिक शिक्षकों को एरियर्स सहित क्रमोन्नति वेतनमान देने, प्रथम सेवा गणना करते हुए पुरानी पेंशन बहाली सहित समस्त लाभ एवं प्रशिक्षितों को प्रमोशन के लिए बीएड की अनिवार्यता में छूट देने सहित विभिन्न मांगों को लेकर सर्व शैक्षिक संगठन के बैनर तले प्रदेश के 23 शिक्षक संगठनों ने मिलकर आज सभी संगठनों के प्रांत अध्यक्षों के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया मंत्रालय एवं संचनालय में राज्य सरकार व विभाग के उच्चाधिकारियों को ज्ञापन एवं अल्टीमेटम दिया।

सभी 23 संगठनों के प्रांत अध्यक्षों मनीष मिश्रा, केदार जैन, संजय शर्मा, वीरेंद्र दुबे, विकास राजपूत, कृष्णकुमार नवरंग, राजनारायण द्विवेदी, जाकेश साहू, भूपेंद्र बनाफर, शंकर साहू, भूपेंद्र गिलहरे, चेतन बघेल,डॉ. गिरीश केशकर, लैलूंन भरतद्वाज, प्रदीप पांडे, प्रदीप लहरें, राजकिशोर तिवारी, कमल दास मुरचले, प्रीतम कोशले, विक्रम राय, विष्णु प्रसाद साहू, अनिल टोप्पो एवं धरमदास बंजारे आदि ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा है कि राज्य सरकार की विसंगतिपूर्ण युक्त युक्तिकरण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्राथमिक शाला में दो शिक्षक कैसे पढ़ाएंगे..??? 2008 के सेटअप से छेड़छाड़ किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं करेंगे। केंद्र सरकार के शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत 2009 में यह शिक्षा विभाग का सेटअप लागू किया गया था।

लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट की वर्ष 2025-26 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन

कोरबा। लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट के कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट के चिकित्सक सदस्य लायन डॉ.नागेन्द्र नारायण शर्मा के कार्यालय पतंजलि चिकित्साल श्री शिव औषधालय महानदी काम्प्लेक्स निहारीका में रखी गई ।जिसमें वर्ष 2025 -26 हेतु नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद हेतु लायन शिव जायसवाल, सचिव पद हेतु लायन डॉ.नागेन्द्र नारायण शर्मा एवं कोषाध्यक्ष पद हेतु लायन गजेंद्र राठोड़ को मनोनीत किया गया । इस अवसर पर लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट के चार्टर सदस्य लायन सुधीर सक्सेना, बीओडी मेंबर लायन प्रत्युष सक्सेना, लायन डॉ.संजना सक्सेना, लायन कमल धारिया, लायन अश्वनी बुनकर एवं लायन नेत्र नंदन साहू विशेष रूप से उपस्थित थे।

!! !! न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग छ.ग.!!!!

राजस्व प्रकरण ब/121
वर्ष 2025

// ईश्तहार//

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक रामाधार वर्मा पिता स्व. भोदूराम निवासी अटारी तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे पिता भोदूराम पिता रामप्रसाद का मृत्यु दिनांक 27.06.2003 को ग्राम अटारी प.ह.न. 35 तहसील पाटन जिला दुर्ग में मृत्यु होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदक रामाधार वर्मा पिता स्व. भोदूराम निवासी अटारी तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 06/06/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/05/2025 को जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)
मुहर

!! कार्यालय रा.नि.मं. सागरपाली तह. बसना, जिला- महासमुंद, छ.ग.!!!!

दिनांक 22.05.2025

प्रति

1. अमरिका/ सुंदरलाल 2. सुखरू/दरसराम 3. गुरबारू/ सुखरू 4. सोमराज/ मोहनलाल 5. दयाराम/अरखित 6. डोलामणी/बष्टम चरण 7. शिवचरण/ सुखरू

विषयः- सीमांकन की सूचना बाबत्

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक अमरिका पिता/ पति सुंदरलाल जाति सतनामी निवासी ग्राम तरेकला के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज ग्राम बंसुलीडीह प.ह.न. 16 रा.नि.मं. सागरपाली तह. बसना जिला महासमुंद छ.ग. स्थित भूमि खसरा नं. 149/2, 222/3, 233/2, 240/2, 243/2, 270/2, 277/2, 312/2, 322/2, 323/2 रकबा 0.03, 0.25, 0.04, 0.06, 0.22, 0.03, 0.24, 0.08, 0.08 हे. को न्यायालय तहसीलदार बसना जिला- महासमुंद छ.ग. के आदेश क्रमांक/ 91/वाचक/ 2025 बसना दिनांक 28.02.2025 के अनुसार सीमांकन करने हेतु आदेशित हुआ है। उक्त आदेश के परिपालन में दिनांक 26.05.2025 समय 7.00 बजे आवेदक समीपस्थ खातेदारों व ग्रामवासियों की उपस्थिति में रा.नि./ पटवारी के द्वारा आवेदित भूमि का सीमांकन किया जाएगा।

अतः आप निर्धारित एवं समय पर आवेदित भूमि से संबंधित अपने दस्तावेज (यदि कोई हो तो) के साथ मौका में उपस्थित होकर सीमांकन कार्य में सहयोग प्रदान करें।

सूचनार्थ
राजस्व निरीक्षक, सागरपाली
सागरपाली

!! कार्यालय रा.नि.मं. सागरपाली तह. बसना, जिला- महासमुंद, छ.ग.!!!!

दिनांक 22.05.2025

प्रति

1. अमरिका/ सुंदरलाल 2. सुखरू/दरसराम 3. गुरबारू/ सुखरू 4. सोमराज/ मोहनलाल 5. दयाराम/अरखित 6. डोलामणी/बष्टम चरण 7. शिवचरण/ सुखरू

विषयः- सीमांकन की सूचना बाबत्

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक अमरिका पिता/ पति सुंदरलाल जाति सतनामी निवासी ग्राम तरेकला के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज ग्राम बंसुलीडीह प.ह.न. 16 रा.नि.मं. सागरपाली तह. बसना जिला महासमुंद छ.ग. स्थित भूमि खसरा नं. 190/2, 204/2, 217/2, 318/2, 479 रकबा 0.07, 0.12, 0.03, 0.09, 0.02 हे. को न्यायालय तहसीलदार बसना जिला- महासमुंद छ.ग. के आदेश क्रमांक/ 89/वाचक/ 2025 बसना दिनांक 28.02.2025 के अनुसार सीमांकन करने हेतु आदेशित हुआ है। उक्त आदेश के परिपालन में दिनांक 26.05.2025 समय 7.00 बजे आवेदक समीपस्थ खातेदारों व ग्रामवासियों की उपस्थिति में रा.नि./ पटवारी के द्वारा आवेदित भूमि का सीमांकन किया जाएगा।

अतः आप निर्धारित एवं समय पर आवेदित भूमि से संबंधित अपने दस्तावेज (यदि कोई हो तो) के साथ मौका में उपस्थित होकर सीमांकन कार्य में सहयोग प्रदान करें।

सूचनार्थ
राजस्व निरीक्षक, सागरपाली
सागरपाली

लेखन एवं अन्य सामग्री क्रय हेतु निविदा आमंत्रित

कोरबा। कार्यालय कलेक्टर कोरबा की ओर से निर्माताओं और उनके अधिकृत विक्रेताओं से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये स्टेषनरी, लेखन सामाग्री, कम्प्यूटर सामाग्री तथा अन्य सामाग्री बाजार दर पर क्रय करने मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की गई है। निविदा की नियम व षर्तें, स्टेषनरी एवं लेखन सामग्री की सूची तथा निविदा प्रपत्र जिला कार्यालय के स्टेषनरी षाखा से कार्यालयीन समय पर प्राप्त किये जा सकते हैं।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग, मंडल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 19.05.2025

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(द्वितीय आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 03.06.2025 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
59/दुर्ग(राज.)/2025	जिला राजनांदगांव के मरकाकसा से जोब मार्ग लं. 1.25 कि.मी. (ग्रामीण मार्ग) का निर्माण कार्य पुल-पुलिया सहित कार्य	103.92

टीप

1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग,
मंडल दुर्ग
दूरभाष- 0788-2210876

जी-252601058/1

(दुलार सिंह निर्मलकर) जिला न्यायाधीश पाटन, जिला- दुर्ग (छ.ग.)

प्रोसेस क्रमांक 300/2025
पेशी- 05/07/2025
मुकदमें के फैसले के बारे में समंन्स (व्यवहार प्रक्रिया संहिता, आदेश 5 नियम 1 और 5)

वाद क्रमांक RCA/176/2024
आवेदक- शशिकला
अनावेदक-चंदूसिराज

बनाम-चंदूसिराज पिता स्व . आत्माराम, उम्र करीब 54 वर्ष, जाति गोड़ स्थायी पता ग्राम व पोस्ट करेला तह.- पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

क्योंकि वादी/आवेदक ने आपके विरूद्ध अपील अंतर्गत धारा 96 सिविल प्रक्रिया संहिता का वाद प्रस्तुत किया है, आपको इस समंस द्वारा आदेशित किया जाता है कि आप इस न्यायालय में पेशी दिनांक 05/07/2025 को सुबह 11 बजे स्वयं या ऐसे किसी प्लीडर /अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नो का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया है कि आप उस दिनांक को अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेजों जो आपके अभिरक्षा या शक्तियों में है, पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या प्रतिदावा आधारित है और आप यदि किसी अन्य दस्तावेज समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है, तो आप ऐसे दस्तावेजों की, लिखित कथन के साथ उपावर की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि आप उक्त बतायी गई पेशी तिथि को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और निराकरण आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

आज दिनांक 09/05/2025 का न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

(दुलार सिंह निर्मलकर) जिला न्यायाधीश पाटन, जिला- दुर्ग (छ.ग.)
मुहर

!! कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल अमलेश्वर तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग.!!

अमलेश्वर, जारी दिनांक 21/05/2025

सूचना

प्रति,
धर्मेंद्र सिंह ठाकुर पि.राधेश्याम
से.हर्षित सिंघानिया पिता श्यामलाल सिंघानिया
महेन्द्र पि.सेवाराम
अशोक जैन पि.सेवाराम

विषय :- सीमांकन में उपस्थित होने बाबत सूचना।

संदर्भ
कार्यालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के पृ.कं. //ना.तह./2024
पाटन दिनांक /

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम अमलेश्वर प.ह.नं. 03 रा.नि.म. अमलेश्वर तहसील पाटन जिला दुर्ग के अंतर्गत आवेदक श्रीमती
प्रतिमा देवी पति श्री दिलीप कुमार आवेदित भूमि खसरा नं. 15/1 रकबा 0.30 हे.के भूमि का सीमांकन
दिनांक 27/05/2025 को समय 11:00 बजे से 2:00 बजे के बीच मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है। आप उक्त आवेदित भूमि के बटांकनधारी भूमिस्वामी / आपकी भूमि आवेदक के भूमि से लगी हुई है अतएव आप नियत दिनांक के पूर्व पटवारी कार्यालय में अथवा उपर उल्लेखित दिनांक को स्थल पर अपनी भूमि संबंधित बैनामा/दस्तावेज सहित निर्धारित स्थल एवं दिनांक पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे। सूचनोपरान्त अनुपस्थित रहने पर आप व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगें।

हल्का पटवारी को निर्देशित किया जाता है कि आवेदित भूमि के समीपवर्ती भूमिस्वामियो को कोटवार द्वारा सूचित कर नियत दिनांक को मय पटवारी अभिलेख के साथ उपस्थित रहें।

राजस्व निरीक्षक
अमलेश्वर तहसील पाटन
मुहर

!! न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग छ.ग.!!

रा.प्र.क. 202505100900099 अ/27
वर्ष 2024-25

// ईश्तहार//

एदत द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम जामगांव एम प.ह.नं. 14 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक नरोत्तम वर्मा आ. बेनीराम वर्मा उम्र 59 वर्ष निवासी जामगांव एम तहसील पाटन द्वारा अपने एवं अनावेदक चमेली वर्मा पति स्व. दामोदर प्रसाद वर्मा निवासी जामगाव एम तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1103 रकबा 0.74 हे0 भूमि का अंश के आधार पर बराबर-बराबर खाता विभाजन किये जाने आवेदन आधार पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदक नरोत्तम वर्मा आ0 बेनीराम वर्मा उम्र 69 वर्ष निवासी जामगांव एम तहसील पाटन द्वारा प्रस्तुत उपरोक्तानुसार खाता विभाजन कि कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 12.06.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 20.05.2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)
मुहर

!! !!न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग छ.ग.!!!!

// ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/121
वर्ष 2025

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक मयाराम निर्मल पिता गैदलाल निर्मल निवासी देवादा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे माता बुधवन्तीन पति गैदलाल का मृत्यु दिनांक 20.02.2009 को ग्राम देवादा प.ह.न. 19 तहसील पाटन जिला दुर्ग में मृत्यु होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदन मयाराम निर्मल पिता गैदलाल निर्मल निवासी देवादा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 06/06/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियमतिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/05/2025 को जारी किया गया।

तहसीलदार
पाटन
मुहर

26 को जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैली, सभा को सफल बनाने का आव्हान

बैठक में नवनिर्वाचित जनपद सदस्यों एवं पार्षदगणों का भी स्वागत समान

भानूप्रताप साहू

बालोद (समय दर्शन)। ब्लाक कांग्रेस कमेटी गुंडरदेही के अध्यक्ष भोजराज साहू के नेतृत्व में साहू सदन गुंडरदेही में ब्लाक कांग्रेस कमेटी का विस्तारित बैठक सम्पन्न हुआ,जिसमें जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी एवं निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती चंद्रप्रभा सुधाकर का गुंडरदेही विधायक कुंवरसिंह निषादजी एवं पीसीसी उपाध्यक्ष बीरेश ठाकुरजी सहित सहित उपस्थित समस्त कांग्रेसजनों ने आत्मीय स्वागत सम्मान किया। बैठक में नवनिर्वाचित जनपद सदस्यों एवं पार्षदगणों का भी स्वागत सम्मान किया गया। स्वागत भाषण देते हुए भोजराज साहू ने कहा कि श्री चंद्रेश हिरवानी जी जमीन से जुड़े हुए नेता हैं,संगठन में कार्य करने का लंबा अनुभव है,उनके नियुक्ति से हम सब मे नई ऊर्जा का संचार हुआ है एवं श्रीमती चंद्रप्रभा सुधाकर के कार्यकाल का स्मरण करते हुए उम्मीद जताई कि आगे भी उनका मार्गदर्शन मिलता रहेगा !बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी ने संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के अपने दृढ़ संकल्प में सभी का सहयोग मांगा। आगामी 26 मई को जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैली में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर सभा को सफल बनाने का आव्हान किया। पीसीसी उपाध्यक्ष बीरेश ठाकुरजी ने लोकसभा चुनाव में भरपूर समर्थन के लिए सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया !गुंडरदेही के लोकप्रिय विधायक माननीय श्री कुंवरसिंह निषादजी ने बैठक को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार और राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला !मोदी की गारंटी और विष्णु का सुशासन का पोल खोलते हुए बोले कि युक्तियुक्तकरण के नाम पर स्कूल बंद किये जा रहे है और शराब दुकान खुलते जा रहे हैं !साथ ही संविधान बचाओ रैली को अति महत्वपूर्ण बताते हुए जिला और विधानसभा स्तरीय कार्यक्रम में सभी की सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की !

बैठक का संचालन महामंत्री तामेश्वर देशमुख एवं आभार प्रदर्शन जनपद सदस्य आसिफ गहलोत ने किया।

संक्षिप्त-खबर

वार्ड 35 में चला निगम का विशेष सफाई अभियान :कमिश्नर व पार्षद के मौजूदगी में नाला की सफाई

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत बारिश से पहले चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सुबह शुक्रवार को वार्ड 35 शिवनाथ नदी गंज पारा चौक से महमरा नदी मार्ग नया पारा में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान नालियों की सफाई कर कचरा उठाया गया। निगम कमिश्नर सुमीत अग्रवाल ने प्रभारी नीलेश अग्रवाल,पार्षद कुलेश्वर साहू,उपअभियंता विनोद मांझी,उपअभियंता उमायन्ती ठाकुर,कर्मशाला अधीक्षक शोएब अहमद,पीआईयू कुणाल,गौतम साहू के साथ सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।

कमिश्नर ने पार्षद कुलेश्वर साहू के साथ वार्ड क्षेत्र नाले नालियों की वृहद रुप से सफाई के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र सहित अन्य चौराहों का निरीक्षण कर नगर निगम के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि मानसून के पहले शहर के सभी 60 वार्डों, जलभराव वाले इलाकों में वृहद सफाई अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत गली नंबर एक सहित बांधा तालाब के अलावा नाले-नालियों की सफाई सुनिश्चित होगी। कमिश्नर ने कहा कि क्षेत्र के नाला को बेहतर सफाई करवाये साथ ही नाली सफाई के दौरान दिक्कत होने पर पुराने ओर बंद हो चुके नल कनेक्शन को हटवाए जाएंगे।

जल्द ही तालाब का पानी खाली करके काम शुरू कराया जाएगा

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत पाटन अंतर्गत वार्ड 15 अटारी मे पिछले कार्यकाल से स्वीकृत तालाब मे टो वाल कार्य अभी भी रुक हुआ है। बता दे कि तालाब को पिछले चार माह से खुदाई कर छोड़ दिया है इसी तालाब से पूरे वार्ड का निष्तार होता है । कार्य अधूरा होने से बहुत ही परेसानी के साथ बच्चों के लिए खतरा साबित हो सकता है। पूर्व पार्षद कमल किशोर वर्मा ने बताया कि इसके बारे मे वार्ड के पार्षद और नगर अध्यक्ष को कई बार अवगत कराया गया। लेकिन किसी का ध्यान इस तरफ नहीं है जब कि बारीश अभी सामने है। नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने बताया कि जल्द ही तालाब का पानी खाली करके काम शुरू कराया जाएगा। एक दो दिन में काम शुरू हो जायेगा।

ग्राम पंचायत देवादा की सरपंच लक्ष्मी नीलू वर्मा ने वैवाहिक कार्यक्रम के लिए सौरभ साहू का आर्थिक मदद की

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत देवादा की सरपंच लक्ष्मी नीलू वर्मा सरपंच निर्वाचित होने के बाद गांव के हर जरूरतमंद परिवार की मांगलिक एवं शोक कार्यक्रम में आर्थिक सहयोग प्रदान करती है। विगत दिनों रेवा साहू के सुपुत्र सौरभ साहू का विवाह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ । सरपंच श्रीमती वर्मा द्वारा परिवार को वैवाहिक कार्यक्रम के लिए 5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता की गई। श्रीमती गांव के हर जरूरतमंद बेटी बेटा विवाह के विवाह में आर्थिक मदद करती है। मौके पर प्रमुख रूप से लक्ष्मी वर्मा, नीलू वर्मा, सोहन साहू रेवा साहू, सौरभ साहू एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों में कुपोषण की रोकथाम की दिशा में ठोस कदम

महासमुंद (समय दर्शन)। जिले में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में कुपोषण की रोकथाम हेतु राज्य एवं केंद्र सरकार की पोषण संबंधी योजनाओं के अंतर्गत निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय पोषण मिशन (पोषण अभियान) जैसे शासकीय कार्यक्रमों के साथ यूनिसेफ़ और एम्स रायपुर के स्टेट सेंटर ऑफएक्सीलेंस के सहयोग से सामुदायिक आधारित प्रबंधन कार्यक्रम (सीएमएएम) भी प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अति गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर उन्हें पोषण सहायता प्रदान कर सामान्य स्वास्थ्य स्थिति में लाना है।

लोहा चोरो को नौकरी मिलेगी, चोरी करना छोड़ दें

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय नियमित भ्रमण के दौरान आज खुर्सीपार के श्रीराम चौंक स्थित क्षेत्र के विभिन्न वार्डो में भ्रमण किए। जिसमें प्रमुख रूप से निर्माणाधीन सीवरेज सिस्टम का अवलोकन करने के लिए जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे एवं निर्माणकर्ता एजेंसी के साथ पहुंचे। वहां पर सीवरेज सिस्टम के सभी चेम्बर के ढक्कन गायब मिला, इस पर उन्होने पूछा ऐसा क्यो है। जोन की सहायक अभियता प्रिया खैरवार ने बताया कि निर्माण के बाद जितने भी सीवरेज के चेम्बर बने थे, सभी के ढक्कन चोरी हो जा रहे है। स्थानीय नागरिको ने भी बताया कि मोटे-मोटे स्लैब को लोहा चोर लोहा के लिए तोड़ कर ले जा रहे है। निर्माणाधीन एजेंसी ने कहा कि जितना मेहनत लोहा चोर स्लैब तोड़कर लोहा चोरी करने में करते है। उतना ही मेहनत हमारे पास आकर करे तो हम उन्हे नौकरी में रख लेगें। नियमानुसार उन्हे वेतन का नियमित भुगतान करेंगे। चोरी करना छोड़ दे, सबको रोजगार में रख लेगें। हमे काम करने वालो की आवश्यकता है।

निगम भिलाई क्षेत्र में लोहा चोरो की सक्रियता बढ़ गई है। जाली, फैसिंग, ग्रील, बैरीकेट इत्यादि काटकर रात में ले जा रहे है। जिसके बारे में थानों में एफआई.आर. भी दर्ज कराया गया है। फिर भी चोरी कम नहीं हो रही है, निगम क्षेत्र के कबाड़ियो को चोरी का लोहा बेचा जा रहा है। निगम आयुक्त ने निगम के अधिकारियो को शक्त निर्देश दिए है कि जितने भी कबाड़ी वाले चोरी का लोहा खरीद रहे है, उनका पता लगाओ। जानकारी मिलने के बाद सभी का गुमशता एवं ट्रेड लाईसेंस निरस्त कर दिया जाएगा।

कलेक्टर विनय लंगेह द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत समोदा-अछोला समूह जल प्रदाय योजना का औचक निरीक्षण

इस योजना से 48 ग्रामों के 12 हजार से ज्यादा परिवारों को होगा लाभ

महासमुन्द(समय दर्शन)। जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले में संचालित समोदा-अछोला समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों का कलेक्टर विनय लंगेह ने बुधवार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने योजना के प्रमुख स्थलों का भ्रमण कर कार्य की प्रगति की समीक्षा की

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सर्वप्रथम समोदा बैराज के निकट महानदी पर निर्मित किए जा रहे 10.0 मीटर व्यास के आरसीसी इंटेकवेल का निरीक्षण किया। इसके पश्चात वे ग्राम अछोली पहुँचे, जहाँ 6.0 एमएलडी क्षमता वाला जल शुद्धिकरण संयंत्र निर्माणाधीन है। इन दोनों प्रमुख स्थलों पर कार्य की वर्तमान स्थिति, गुणवत्ता की जानकारी लेकर समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए

48 ग्रामों के 12 हजार से ज्यादा परिवारों को होगा लाभ।

निरीक्षण के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता ने कलेक्टर को जानकारी दी कि समोदा-अछोला समूह जल प्रदाय योजना के पूर्ण होने पर क्षेत्र के 48 ग्रामों के कुल 12,395 ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों की पेयजल समस्याओं का स्थायी समाधान प्रदान करने हेतु एक महत्वपूर्ण प्रयास है

कलेक्टर श्री लंगेह ने अधिकारियों से योजना के विभिन्न अवयवों की अद्यतन प्रगति की जानकारी प्राप्त की एवं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं एवं निर्माण की गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एस. आलोक, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहायक अभियंता एवं कार्य एजेंसी के अभियंता भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कलेक्टर को योजना की आगामी कार्य योजना एवं संभावित पूर्णता तिथि से भी अवगत कराया

उल्लेखनीय है कि, सरकार की प्राथमिकता में ग्रामीणों को स्वच्छ जल की सुविधा उपलब्ध कराना है।

जल जीवन मिशन सरकार की प्राथमिकता वाली योजना है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है। महासमुंद जिले में इस योजना के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं पर तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को उनके घरों तक जल सुविधा सुनिश्चित की जा सके।

कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति को ज्ञापन सौंपा

पाटन (समय दर्शन)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत संचालित पाटन के कृषि विज्ञान केन्द्रों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं को संज्ञान में लाने हेतु आज रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल से मुलाकात की। कृषि विज्ञान केन्द्रों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपनी प्रमुख 6 सूत्रीय समस्याओं को कुलपति के समक्ष रखा जिनमें - जी.पी.एफ/एन.पी.एस. का लाभ न मिलना, मेडिकल तथा अन्य वैधानिक भत्तों को रोकना, कैरियर उन्नयन योजना/उच्च वेतनमान का बंद किया जना, सेवानिवृत्ति की आयु 62 वर्ष के स्थान पर 60 वर्ष किया जाना, सेवानिवृत्ति उपरांत ग्रेच्युटी, पेंशन एवं अन्य सुविधाओं से वंचित किया जाना आदि प्रमुख है।

कुलपति डॉ. चंदेल से भेंट के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया जिसके उपरान्त कुलपति डॉ. चंदेल ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा राज्य शासन एवं केन्द्र सरकार (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली) को इस सबंध में पत्र प्रेषित किया गया है। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्रों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आश्वासन दिलाया कि केन्द्र एवं राज्य सरकार से प्राप्त उचित दिशा निर्देशों के उपरान्त जल्द ही इन समस्याओं का निराकरण विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा। कुलपति जी द्वारा प्राप्त सकारात्मक आश्वासन से कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रसन्नता जाहिर की और अपनी 6 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा।

अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती पर संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में किया गया कार्यक्रम

दुर्ग (समय दर्शन)। अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती पर संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में किया गया था इस कार्यक्रम में नगर पालिका निगम दुर्ग से उपायुक्त मोहन्द्र कुमार साहू,नारायण यादव राजस्व निरीक्षक थान सिंह यादव पर प्रभारी राजस्व उपनिरीक्षक शामिल हुए थे।

इस कार्यक्रम में कन्या महाविद्यालय के छात्राओं ने संगोष्ठी कार्यक्रम में भाग लेकर देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवनी पर अपने विचार व्यक्त किया कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती डॉ.नीतू सिंह एवं महाविद्यालय के अन्य प्रोफेसर तथा छात्राएं इस संगोष्ठी कार्यक्रम में उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन श्री मती किरण वैष्णव ने किया उद्बोधन में उपायुक्त द्वारा वीरांगना देवी अहिल्याबाई की 300 वीं जयंती मनाने के शासन के आदेश से अवगत कराते हुए शासन की मनसा अनुरूप महिलाओं के उत्थान एवं सशक्तिकरण हेतु शासन की योजनाओं एवं क्रियाकलाप से अवगत कराया और देवी वीरांगना अहिल्याबाई के जीवनी के संबंध में परिचय कराया वीरांगना देवी अहिल्याबाई के जीवन पर व्याख्यान देते हुए बताया गया कि उन्होंने विकट परिस्थितियों का डटकर मुकाबला करते हुए मालवा राज्य की बागडोर संभाली एवं इंदौर गांव को नगर में परिवर्तन किया साथ साथ महेश्वर को विकसित कर अपनी राजधानी बनाया वीरांगना देवी अहिल्याबाई ने सन 1767 से मालवा साम्राज्य मालवा राज्य की बागडोर अपने पुत्र के माध्यम से शासन संचालित किया तथा निरंतर 28 वर्षों तक शासन किया और अपने मालवा राज्य को युद्ध से दूर रखकर शांति और न्याय व्यवस्था को व्यवस्था को अपने राज्य में कायम रखा न्याय व्यवस्था को कायम रखने के लिए उन्होंने अपने पुत्र की कुर्बानी भी दी एवं विधवा के पति की संपत्ति में हक का समर्थन किया इतिहास के पन्नों में देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवनी एवं संघर्ष दबी हुई थी जिसे शासन ने 300 वीं जयंती मनाने के साथ उनके योगदान हमें सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक गतिशीलता मे सहभागी बनने प्रेरित करने का काम किया है आर्य कन्या महाविद्यालय की की छात्रा प्रेरणा शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए अपने उद्बोधन में देवी अहिल्याबाई होलकर के द्वारा मुगल और अन्य बाहरी आक्रमण से ध्वस्त हुए पौराणिक काशी शिव मंदिरों , सारनाथ के मंदिर के पुनर्निर्माण करने एवं धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यों भी उल्लेख किया।

सीवरेज लाईन से प्रभावित हितग्राहियो को लॉटरी से मिला स्थायी पीएम आवास

भिलाईनगर (समय दशर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में लॉटरी पद्वति से खुर्सीपार बैक लाईन सीवरेज सिस्टम के उपर अवैध कब्जाधारी 12 हितग्राहियो को लॉटरी के माध्यम से मकान आबंटन किया गया। महापौर नीरज पाल, सभापति गिरवर बंटी साहू एवं एम.आई.सी. के सदस्यों की उपस्थिति में लॉटरी प्रक्रिया रखी गई। इसमें जो हितग्राही नियमानुसार अपनी धरोहर राशि जमा कर दिए थे, उन्हे मोर चिन्हारी योजना अंतर्गत मकान लॉटरी के माध्यम से आबंटित किया गया। हितग्राहियो को विशेष प्रावधान के तहत उनके द्वारा मात्र 75000 रूपये जमा करने पर मकान आबंटित किया जा रहा है। इसमें से 8 हितग्राही पूर्ण राशि जमा कर दिए है। 4 हितग्राही ऐसे है जिनके पास पुरी राशि नहीं होने के कारण वे 25000 रूपये जमा किए है। उन्हे विशेष बरियता देते हुए प्रावधिक रूप से मकान आबंटित किया गया है। जब वे शेष राशि 50000 और जमा कर देगे, तभी उन्हे पूर्ण कालिक आबंटन पत्र प्राप्त होगा। महापौर पाल ने खुर्सीपार क्षेत्र के उपस्थित हितग्राहियो से कहे कि बाकी लोग भी शीध्रता से पैसा जमा कर दें। सबको कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज के पीछे खम्हरिया बी-1 ब्लॉक में मकान आबंटन किया जाएगा, जो पहले आएगा उसे पहले मकान प्राप्त हो जाएगा।

इसके अतिरिक्त अन्य 19 हितग्राही जिन्हे नियमानुसार खुली लॉटरी पद्वति के माध्यम से बारी-बारी से मकान आबंटित किया गया। सभी हितग्राही अपने प्रारंभिक किश्त की राशि जमा कर चुके है। नोडल अधिकारी डी. के. वर्मा ने सभी को बताया कि शीध्रता से संपूर्ण राशि जमा कर दें, उन्हे मकान की चाबी सौंप दी जाएगी। यदि किसी को ऋण की आवश्यकता है, उसकी भी सुविधा उपलब्ध है। अपनी इच्छा के अनुसार बैंक से संपर्क करके ऋण प्राप्त कर सकते है। जो राशि घर के किराये के रूप में देते है, उसी राशि से बैंक के किश्त जमा कर सकते है। दिव्यांग एवं वरिष्ठ हितग्राहियों को नीचे का मकान आबंटित किया गया है। सभी हितग्राहियों को प्रमुख रूप से प्रमुख स्थल कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज के पीछे खम्हरिया, आम्रपाली हाउसिंग बोर्ड, माईल स्टोन के पीछे खम्हरिया, सूर्या विहार के पीछे खम्हरिया, स्वप्निल बिल्डर्स कुरूद में मकान आबंटित किया गया।

लॉटरी प्रक्रिया के दौरान एम.आई.सी. सदस्य लालचंद वर्मा, चंद्रशेखर गंवई, पार्षद एवं जोन अध्यक्ष राजेश चौधरी, योजना प्रभारी अधिकारी विद्याधर देवांगन, नम्रता ठाकुर, जागेश्वर साहू, जी मोहन राव, जागेश्वर साहू, महेत्तर सोनी आदि उपस्थित रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26